www.bharatsamvad.in

R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

मौसम

अधिकतम तापमान 39.c

30.c न्यूनतम तापमान

बाजार

सोना 101.700g

चांदी 106.000 kg

ऐप में पढ़े E-PAPER भारत संवाद

Scan for E-Paper or Search on Play store Bharat Samvad E-Paper

2 मेरिट बनाम मौकापरस्ती, राधाकृष्णन के सामने सुदर्शन

ट्रम्प का दावा-मोदी को जंग रोकने के लिए धमकी दी 06

वर्ष :17 | अंक :148 | प्रयागराज , गुरूवार , 28 अगस्त , 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में गाय के गोबर को लेकर झगड़ा चोरी तक पहुंचा, एक व्यक्ति गिरफ्तार

दिल्ली में गाय के गोबर को लेकर पड़ोसियों के बीच जारी झगड़े ने एक विचित्र मोड़ ले लिया, जिसमें 25 वर्षीय व्यक्ति ने बदला लेने के लिए कथित तौर पर अपने पड़ोसी की दुकान में डाका डाला। पुलिस ने यह जानकारी दी। दिल्ली पुलिस ने दक्षिण पश्चिम दिल्ली के सागरपुर इलाके में आरोपी संदीप को गिरफ्तार किया और उसके पास से चोरी की 15,000 रुपये नकदी बरामद की। पुलिस ने बताया कि दुकानदार ने 21 अगस्त को एक शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि उसकी दुकान से पैसे चुराए गए हैं। जांच के दौरान पुलिस ने उसके पड़ोसी संदीप की पहचान मुख्य संदिग्ध के रूप में की और उसे 25 अगस्त को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान संदीप ने चोरी का जुर्म कबूल कर लिया और घटना के पीछे के इरादे के बारे में बताया। संदीप ने पुलिस को बताया कि उसके पड़ोसी की गायें आए दिन उसके घर के आसपास घूमती थीं और उसके दरवाजे के सामने ही गोबर कर देती थीं। बार-बार शिकायत करने के बावजूद दुकानदार ने कोई कदम नहीं उठाया और एक बार तो उसने सार्वजनिक रूप से उससे गाली-गलौज की। पुलिस ने बताया कि इससे आक्रोशित संदीप ने पड़ोसी की दुकान का ताला तोड़कर चोरी कर बदला लेने का फैसला किया।

असम में 11 करोड़ रुपये मूल्य की मॉर्फिन जब्त

असम के कार्बी आंगलोंग जिले में 11 करोड़ रुपये मूल्य की अवैध मॉर्फिन जब्त की गई है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मंगलवार रात असम-नगालैंड अंतरराज्यीय सीमा पर नियमित गश्त के दौरान पुलिस ने दिलाई इलाके में 6 माइल पर एक ट्रक को रोककर उसकी तलाशी ली और चालक की सीट के पीछे छिपाकर रखी गई 10.71 किलोग्राम मॉर्फीन बरामद की। उसने बताया कि वाहन में सवार दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया और उन पर अवैध मादक पदार्थों की आपूर्ति करने का संदेह है। उसने बताया कि गिरफ्तार किए गए दोनों लोगों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

'24 घंटे में नहीं, सिर्फ 5 घंटे में सीजफायर कर दिया'

राहुल बोले- ट्रंप ने आज किया खुलासा; गुजरात आर्थिक मॉडल नहीं, वोट चोरी का मॉडल

संबोधित

राहुल ने कहा कि राजनीति में क्या होगा, यह कोई नहीं जानता, लेकिन अमित शाह अगले 40 साल का भविष्य जानते हैं। कैसे? वोट चोर। भाजपा पर निशान साधते हुए उन्होंने कहा कि वोट चोरी की शुरूआत 2014 से पहले गुजरात में हुई थी। और 2014 में वे इसे राष्ट्रीय स्तर पर ले आए।

एजेंसी

मुजफ्फरपुर/दरभंगाः कथित 'वोट चोरी' के खिलाफ कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा' का आज ग्यारहवां दिन है. यात्रा दरभंगा से मुजफ्फरपुर पहुंच चुकी है. जहां विपक्षी दलों के नेताओं ने एक सभा को संबोधित किया. अपने संबोधन में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा कि बीजेपी 'वोट चोरी' के माध्यम से ही चुनाव जीत रही है. इस काम में उसका साथ चुनाव आयोग दे रहा है. 'गुजरात मॉडल वोट चोरी करने का मॉडल': पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि 2014 से पहले वोट चोरी गुजरात में शुरू हुई थी. गुजरात मॉडल आर्थिक मॉडल नहीं है. गुजरात मॉडल वोट चोरी करने का मॉडल है, जिसे ये लोग 2014 में राष्ट्रीय स्तर पर लाए. हम कुछ कहते नहीं थे, क्योंकि हमारे पास कोई सबूत नहीं था लेकिन महाराष्ट्र में हमें सबूत मिल गया. 'वोट चोरी कर पीएम बने हैं मोदी': राहुल गांधी ने कहा कि लोकसभा में हमारा गठबंधन जीतता है लेकिन 4 महीने बाद विधानसभा चुनाव में हमारा गठबंधन जमीन पर दिखता ही नहीं है. चुनाव आयोग ने लाखो-करोड़ों वोट जोड़े. वो सारे के सारे मत भाजपा के खाते में जाते हैं और उन मतों से भाजपा चुनाव जीतती है. उन्होंने कहा कि मैं गारंटी के साथ कह सकता हूं कि 2024 में भी नरेंद्र मोदी वोट चोरी कर प्रधानमंत्री बने हैं. इस वोट चोरी में मोदी, अमित शाह की मदद चुनाव आयोग करता है. बिहार में हजारों लोगों ने हमसे कहा कि हमने कई बार वोट डाला है लेकिन इस बार हमारा नाम काट दिया गया. यहां तक कि चुनाव आयोग ने कई जिंदा लोगों को वोटर लिस्ट में मार दिया.- राहुल गांधी, पूर्व अध्यक्ष, कांग्रेस अमित शाह के बयान पर पलटवारः कांग्रेस सांसद ने अमित शाह के उस बयान को भी 'वोट चोरी' से जोड़ने की कोशिश की

राहुल और तेजस्वी के बीच भाइयों वाला रिश्ता

बिहार में बोले स्टालिन, अगर निष्पक्ष चुनाव हुए तो एनडीए हार जाएगा

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन मुजफ्फरपुर में 'मतदाता अधिकार रैली' के लिए कांग्रेस सांसद और लोकसभा नेता राहुल गांधी, राजद नेता तेजस्वी यादव और अन्य के साथ शामिल हुए। इस दौरान एमके स्टालिन ने कहा कि हमारे नेता करुणानिधि और लालू यादव बहुत अच्छे दोस्त थे। लालू प्रसाद यादव देश के सबसे प्रमुख नेताओं में से एक हैं क्योंकि वे भाजपा से कभी नहीं डरे। उनसे प्रेरणा लेते हुए उनके बेटे तेजस्वी यादव भी उनके नक्शेकदम पर चल रहे हैं।

तेजस्वी ने की सत्ता परिवर्तन की अपील

वहीं तेजस्वी यादव ने जनता से अपील की कि लोकतंत्र को बचाने के लिए बीजेपी सरकार को सत्ता से बाहर करना जरूरी है. उन्होंने नीतीश कुमार की सेहत पर सवाल उठाते हुए कहा कि अब बिहार को कमजोर और नकलची सरकार नहीं, बल्कि मजबूत और असली सरकार चाहिए, इसलिए सत्ता परिवर्तन जरूरी है.

'दबाव सहेंगे, स्वदेशी नहीं छोड़ेंगे', निर्यातकों पर पड़ेगा भारी असर

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूसी तेल खरीदने पर भारत पर लगाया गया अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क लागू हो गया है। जिससे कुल दंडात्मक शुल्क बढ़कर 50 प्रतिशत हो गया। ऐसा नई दिल्ली द्वारा रूसी तेल की खरीद से पीछे हटने से इनकार करने के बाद हुआ। यह भारी बढ़ोतरी सुबह 9:30 बजे से प्रभावी हुई।

एजेंसी

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा रूसी तेल खरीदने पर भारत पर लगाया गया अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क लागू हो गया है। जिससे कुल दंडात्मक शुल्क बढ़कर 50 प्रतिशत हो गया। ऐसा नई दिल्ली द्वारा रूसी तेल की खरीद से पीछे हटने से इनकार करने के बाद हुआ। यह भारी बढ़ोतरी सुबह 9:30 बजे से प्रभावी हुई। विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि बढ़े हुए टैरिफ से सभी क्षेत्रों के निर्यातकों पर असर पड़ सकता है और विकास की संभावनाओं पर असर पड़ सकता है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव के अनुसार, अमेरिकी टैरिफ से 60.2 अरब डॉलर मूल्य के भारतीय निर्यात पर असर पड़ने वाला है। कपड़ा, रत्न, आभूषण, झींगा, कालीन और फर्नीचर जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों में निर्यात में 70% तक की गिरावट आ सकती है, जिससे लाखों श्रमिक प्रभावित होंगे। ये शुल्क भारत के अमेरिका को होने वाले निर्यात का लगभग 66 प्रतिशत हिस्सा कवर करते हैं, जिसका मूल्य वित्त वर्ष 2025 में 86.5 अरब डॉलर होगा। यदि शुल्क लागू रहते हैं, तो अगले वर्ष निर्यात घटकर 49.6 अरब डॉलर रह सकता है, और चीन, वियतनाम और मेक्सिको जैसे प्रतिस्पर्धी देश अमेरिकी बाजार में इस अंतर का फायदा उठा सकते हैं।

अमेरिकी टैरिफ पर मोदी की हुंकार

ट्रंप द्वारा 25% अतिरिक्त टैरिफ लगाने की तैयारी पर प्रधानमंत्री मोदी की तीखी प्रतिक्रिया

टैरिफ की समयसीमा से पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि स्वदेशी, यानी आत्मनिर्भरता, भारतीयों के लिए जीवन का एक तरीका होना चाहिए और देश को इसे गर्व के साथ अपनाना चाहिए। उन्होंने बताया कि विदेशी निवेश से भारत में उत्पादित वस्तुएँ, जैसे कि जापान की सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन, भी स्वदेशी मानी जाती हैं क्योंकि वे देश में ही बनती हैं। ट्रंप प्रशासन ने संकेत दिया है कि वह अतिरिक्त शुल्क लगाने में देरी नहीं करेगा और इस कदम की पुष्टि करते हुए एक मसौदा अधिसूचना जारी की है, जिसके तहत मौजूदा शुल्कों के अलावा 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अनुसार, इन उच्च शुल्कों का उद्देश्य रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को यूक्रेन के साथ बातचीत के लिए प्रेरित करना है।

बेईमान राजनीतिक दलों ने यूपी को बनाया था बीमारू राज्य : मुख्यमंत्री

पहले नौकरियों में होती थी बंदरबांट, योग्य युवा होते थे भेदभाव के शिकार : सीएम योगी

एजेंसी

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश बीमारू राज्य नहीं था, बल्कि बेईमान राजनीतिक दलों ने इसे बीमारू राज्य बना दिया था। भ्रष्टाचार और बंदरबांट की राजनीति ने इस समृद्ध प्रदेश को पहचान के संकट में धकेल दिया था। उन्होंने कहा कि 2017 से पहले नियुक्तियों में बंदरबांट होती थी, योग्य अभ्यर्थी भेदभाव और भ्रष्टाचार के शिकार होते थे। उन्होंने कहा कि 1947 के बाद 1960 तक यूपी देश का अग्रणी प्रदेश था, जिसका योगदान 14% से अधिक था। लेकिन 1960 के बाद गिरावट शुरू हुई और 1990 के बाद यह और तेज हो गई। 2017 तक यूपी का योगदान 8% से भी कम हो गया। सीएम योगी बुधवार को लोकभवन सभागार में उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के तहत चयनित 2,425 मुख्य सेविकाओं और 13 फार्मासिस्टों को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में लोगों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस दौरान खाद्यान्न उत्पादन, इंफ्रास्ट्रक्चर और निवेश में यूपी पिछड़ता गया।

- पारदर्शी व निष्पक्ष प्रक्रिया के तहत आज प्रदेश में हर क्षेत्र के युवाओं को मिल रहे रोजगार के अवसर- मुख्यमंत्री
- भ्रष्टाचार और बंदरबांट की राजनीति ने इस समृद्ध प्रदेश को पहचान के संकट में धकेल दिया था- सीएम योगी
- नौजवान यूपी से बाहर जाते थे, लेकिन वहां भी पहचान का संकट झेलते थे- सीएम योगी

आज युवाओं को मिल रहे रोजगार के सुनहरे अवसर- सीएम योगी

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि महिला और बाल विकास विभाग के तत्वाधान में नवचयनित मुख्य सेविकाओं और फार्मासिस्टों को नियुक्ति पत्र वितरण प्रदेश भर की बेटियों के लिए अवसर है। उन्होंने सभी नवचयनितों को बधाई देते हुए अधीनस्थ सेवा चयन आयोग को इस निष्पक्ष प्रक्रिया के लिए धन्यवाद भी दिया। उन्होंने कहा कि हर युवा के मन में सपना होता है और सरकार का दायित्व है कि उसे मंच दे। युवा प्रतिभाशाली और ऊर्जावान होता है, लेकिन जब वह भेदभाव और भ्रष्टाचार का शिकार होता है, तो यह राष्ट्रीय क्षति है। 2017 से पहले यूपी में नियुक्तियां नहीं होती थीं, होती भी तो बंदरबांट और भ्रष्टाचार के चलते योग्य युवा पीछे रह जाते थे।

जम्मू क्षेत्र में बारिश का कहर, बिजली और मोबाइल सेवाएं ठप

उमर अब्दुल्ला बोले- लगता है लोगों से कट गया हूं

एजेंसी

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह को जम्मू के संभागीय आयुक्त रमेश कुमार द्वारा दी गई नवीनतम जानकारी के अनुसार, पुंछ और राजौरी जिलों को छोड़कर पूरे जम्मू संभाग में अभी भी बारिश हो रही है, हालाँकि इसकी तीव्रता कम है। जितेंद्र सिंह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि संभागीय आयुक्त लगातार उनके संपर्क में हैं और वर्तमान में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक बुला रहे हैं। मंत्री ने कहा कि तवी नदी का जलस्तर कम हो गया है, लेकिन चिनाब नदी अभी भी खतरे के निशान के करीब बह रही है। तत्काल प्राथमिकता बिजली, पानी की आपूर्ति और मोबाइल सेवाओं की बहाली है, जिसके लिए अधिकारी रात भर लगातार काम कर रहे हैं। एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, अर्धसैनिक बल, सेना और वायु सेना के अधिकारी नागरिक प्रशासन के साथ मिलकर समन्वय कर रहे हैं। स्कूलों और कॉलेजों को बंद रखने का आदेश दिया गया है और आम जनता को उनकी सुरक्षा के लिए अनावश्यक गतिविधियों से बचने की सलाह दी गई है।

जितेंद्र सिंह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि संभागीय आयुक्त लगातार उनके संपर्क में हैं और वर्तमान में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की बैठक बुला रहे हैं। मंत्री ने कहा कि तवी नदी का जलस्तर कम हो गया है, लेकिन चिनाब नदी अभी भी खतरे के निशान के करीब बह रही है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने न्यायमूर्ति अराधे व पंचोली को नियुक्त किया सुप्रीम कोर्ट का न्यायाधीश

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बॉम्बे उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति आलोक अराधे और पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति विपुल मनुभाई पंचोली को उच्चतम न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया है। केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बुधवार को यह जानकारी दी।

राजनाथ सिंह ने बताया भारतीय सेना की ताकत का राज

कहा- हर सैनिक को मिलेगी टेक्नोलॉजी की ट्रेनिंग मध्य प्रदेश के महू में आयोजित तीनों सेनाओं के कार्यक्रम रण संवाद 2025 में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हाईटेक युद्ध प्रणाली पर की चर्चा.

एजेंसी

इंदौरः दुनिया भर में हाईटेक होती युद्ध प्रणाली और युद्ध की भविष्य आधारित चुनौतियों के मद्देनजर भारतीय सेना भी अत्याधुनिक और हाईटेक युद्ध प्रणालियों के साथ अपग्रेड होने जा रही है, लिहाजा देश की सेना के हर सैनिक को 2027 से ड्रोन टेक्नोलॉजी की ट्रेनिंग दिए जाने के साथ भारतीय सेना को रुद्र ब्रिगेड, शक्तिमान रेजीमेंट, दिव्यास्त्र बैटरी, ड्रोन प्लाटून और थेरो बटालियन से अपग्रेड किया जाएगा. देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इंदौर के महू स्थित आर्मी वॉर कॉलेज में तीनों सेना के संयुक्त आयोजन रण संवाद 2025 के समापन सत्र को संबोधित करते हुए ये बात कही. उन्होंने भारतीय सेना के बदलते स्वरूप और आधुनिक युद्ध प्रणालियों से अपग्रेडेशन का जिक्र करते हुए भविष्य आधारित युद्ध प्रणालियों और चुनौतियों पर चर्चा की.महू स्थित आर्मी वॉर कालेज में युद्ध, युद्धकला और युद्ध संचालन पर 2 दिवसीय सेमिनार 'रण संवाद 2025' को बुधवार को दूसरा दिन है. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में आधुनिक युद्ध प्रणालियों का जिक्र किया. कार्यक्रम में तीनों सेनाओं के प्रमुख के अलावा प्रसिद्ध रक्षा विशेषज्ञों, रक्षा उद्योग के प्रमुख शामिल रहे.रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि इसाल 2027 से सेना के हर सैनिक को आर्मी ट्रेनिंग कमांड द्वारा ड्रोन टेक्नोलॉजी की ट्रेनिंग दी जाएगी.

'हर सैनिक को मिलेगी ड्रोन टेक्नोलॉजी की ट्रेनिंग'

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि इतीनों सेनाओं का संयुक्त ऑपरेशन ही भारतीय सेना की ताकत और सफलता का राज है. ऑपरेशन सिंदूर इसका उदाहरण है लेकिन जिस तेजी से युद्ध की टेक्नोलॉजी आधुनिक हो रही है उसी हिसाब से भारतीय सेवा को लगातार अपग्रेड कर आधुनिक स्वरूप दिया जा रहा है.

गढ़चिरौली-नारायणपुर सीमा पर सुरक्षा बलों को मिली बड़ी कामयाबी

मुठभेड़ में चार नक्सली ढेर

बयान में कहा गया है कि पिछले दो दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश के बावजूद, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ओरातिजंस एम. रमेश के नेतृत्व में टीम बुधवार सुबह जंगल में पहुंची। बयान में कहा गया है कि जब टीम तलाशी अभियान चला रही थी, तब नक्सलियों ने गोलीबारी शुरू कर दी।

एजेंसी

गडचिरोली। पूर्वी महाराष्ट्र के गडचिरोली जिले में बुधवार को एक मुठभेड़ में तीन महिला नक्सलियों सहित कम से कम चार नक्सली मारे गए। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। पुलिस के एक बयान में कहा गया कि यह घटना गडचिरोली और छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले की सीमा के पास हुई।बयान में कहा गया है कि पुलिस को 25 अगस्त को गट्टा दलम, कंपनी नंबर 10 और गडचिरोली डिवीजन के अन्य माओवादी इकाइयों के कोपरशी वन क्षेत्र में मौजूद होने के बारे में विश्वसनीय सूचना मिली थी। बयान में कहा गया है कि गडचिरोली पुलिस के नक्सल-रोधी कमांडो बल सी-60 की 19 इकाइयां और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की त्वरित कार्रवाई टीम की दो इकाइयां क्षेत्र में भेजी गईं।

मजाक | आरएसएस प्रार्थना प्रकरण पर माफी के बाद शिवकुमार का किसने उड़ाया मजाक

विधानसभा में शेर, आलाकमान के सामने चूहा...

एजेंसी

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का गीत मामले में घिरे कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार माफी मांग रहे हैं। अब उनके इस फैसले पर जनता दल सेक्युलर ने तंज कसा है। जेडीएस का कहना है कि डीके ने पद बचाने के चलते अलाकमान से माफी मांग ली है। साथ ही पार्टी ने उन्हें चूहा भी करार दिया है। जेडीएस ने कहा कि गीत गाकर डीके 'इटली के कांग्रेस नेताओं के निशान पर थे। गौरतलब है कि कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और राज्य कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार उस समय विवादों के केंद्र में आ गए जब उन्होंने चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुई भगदड़ पर विधानसभा में गरमागरम बहस के दौरान आरएसएस का गान गाया। जून में हुई भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी। यह गीत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता आर अशोक के जवाब में गाया गया था, जिन्होंने आरसीबी की आईपीएल जीत के जश्न के दौरान सरकार की लापरवाही और बड़े पैमाने पर उन्माद भड़काने का आरोप लगाते हुए शिवकुमार, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और गृह मंत्री जी परमेश्वर के इस्तीफे की मांग की थी। बेंगलुरु में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, शिवकुमार ने स्पष्ट किया कि उनका कृत्य व्यंग्यात्मक था, न कि आरएसएस की विचारधारा का समर्थन। उन्होंने कहा कि अगर किसी को ठेस पहुँची है, तो मैं माफी माँगता हूँ... मैंने बस टिप्पणी की थी और उनकी (भाजपा की) टांग खींचने की कोशिश की थी। कुछ लोग इसका राजनीतिक दुरुपयोग करने की कोशिश कर रहे हैं। मैं किसी की भावनाओं को ठेस नहीं पहुँचाना चाहता। मैं उन सभी से माफी माँगता हूँ जिन्हें बुरा लगा हो।ह उन्होंने अपनी राजनीतिक पहचान को और पुख्ता करते हुए कहा कि कांग्रेस और गांधी परिवार के प्रति मेरी निष्ठा पर सवाल नहीं उठाया जा सकता। मैं जन्मजात कांग्रेसी हूँ, और मरते दम तक कांग्रेसी ही रहूँगा। वरिष्ठ कांग्रेस नेता बीके हरिप्रसाद ने दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए शिवकुमार के कृत्य की आलोचना की और औपचारिक माफी मांगने की मांग की। हरिप्रसाद ने कहा कि अगर वह उप-मुख्यमंत्री के तौर पर आरएसएस का राष्ट्रगान गाते हैं तो कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन कांग्रेस अध्यक्ष के तौर पर नहीं।

जेडीएस ने कहा कि गीत गाकर डीके 'इटली के कांग्रेस नेताओं के निशान पर थे। गौरतलब है कि कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री और राज्य कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार उस समय विवादों के केंद्र में आ गए जब उन्होंने चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुई भगदड़ पर विधानसभा में गरमागरम बहस के दौरान आरएसएस का गान गाया।

'वोट चोरी' काल्पनिक शब्द, शब्दकोश में भी नहीं मिलता, राहुल गांधी के आरोपों पर बीजेपी का पलटवार

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के नेता सैयद शाहनवाज हुसैन ने बुधवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि वोट चोरी शब्द काल्पनिक है और शब्दकोश में नहीं मिलता। भाजपा नेता ने कहा कि कांग्रेस पार्टी को चोर और चोरी शब्दों से प्यार हो गया है। शाहनवाज हुसैन ने एएनआई से कहा कि कांग्रेस के पास सरकार के खिलाफ उठाने के लिए कोई मुद्दा नहीं है। इसलिए, वे केवल एक ही मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जो एक काल्पनिक शब्द 'वोट चोरी' है, जो शब्दकोश में भी नहीं मिलता। उन्हें 'चोर' और 'चोरी' शब्दों से प्यार हो गया है। इन शब्दों का इस्तेमाल करके वे पीएम मोदी पर आरोप लगा रहे हैं। बिहार के पूर्व मंत्री ने कहा कि 2019 के लोकसभा चुनावों के दौरान कांग्रेस ने चौकीदार चोर है का नारा दिया था, लेकिन लोगों ने उसे करारा जवाब दिया। उन्होंने राहुल गांधी पर बेतुके बयान देने का आरोप लगाया और कहा कि वह देश को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि 2019 के चुनावों के दौरान उन्होंने 'चौकीदार चोर है' का नारा लगाया था और लोगों ने उन्हें करारा जवाब दिया था।

शाहनवाज हुसैन ने एएनआई से कहा कि कांग्रेस के पास सरकार के खिलाफ उठाने के लिए कोई मुद्दा नहीं है। इसलिए, वे केवल एक ही मुद्दे पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जो एक काल्पनिक शब्द 'वोट चोरी' है, जो शब्दकोश में भी नहीं मिलता।

सम्पादकीय

सुप्रीम कोर्ट में कोई मामला अटका हो तो! समय पर फैसला सबके लिए जरूरी

स्पष्ट है कि इन सवालों का अपना महत्व हैलेकिन क्या किसी और विशेष रूप से सुप्रीम कोर्ट के पास ऐसे सवालों का जवाब है कि यदि उसके समक्ष कोई मामला लंबित है और उस पर फैसला होने में देर हो रही हो यानी एक तरह की निष्क्रियता सी व्याप्त हो तो क्या कोई यह प्रश्न करने की भी स्थिति में है कि फैसले में देरी से पीड़ित लोग क्या करें? इन दिनों सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ राष्ट्रपति की ओर से संदर्भित ऐसे प्रश्नों पर विचार कर रही है कि जब संविधान में विधेयकों पर निर्णय लेने हेतु राज्यपाल और राष्ट्रपति के लिए कोई समयसीमा तय नहीं है तो क्या अदालत समयसीमा तय कर सकती है? राष्ट्रपति ने इस और इस जैसे कुल 14 प्रश्न सुप्रीम कोर्ट को इसलिए संदर्भित किए थे, क्योंकि इसी वर्ष अप्रैल में तमिलनाडु के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया कि राज्यपाल की ओर से दस विधेयकों को लंबे समय तक रोक कर रखना और उन पर कोई निर्णय न लेना अवैध और मनमाना है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि राज्यपाल के पास विधानसभा से पारित विधेयकों को रोके रखने की कोई वीटो पावर नहीं। इसे ऐतिहासिक बताए जाने वाले फैसले ने इसलिए हैरान किया, क्योंकि एक तो ऐसा आदेश देते हुए राज्यपाल के पास लंबित सभी दस विधेयकों को स्वीकृत करार दिया गया और दूसरे, यह आदेश दो सदस्यीय पीठ ने दिया। इसमें यह भी व्यवस्था दी कि राज्यपालों के लिए विधेयकों पर एक माह में फैसला लेना होगा और यदि ऐसा नहीं किया जाता तो ऐसे मामलों की न्यायिक समीक्षा हो सकती है। आदेश में यह भी कहा गया कि विधेयकों पर फैसला लेने के मामले में राज्यपालों की तरह राष्ट्रपति के समक्ष भी समयसीमा है। इसने और हैरान किया। वास्तव में इसी कारण राष्ट्रपति की ओर से इस फैसले के खिलाफ 14 प्रश्न संदर्भित किए गए। इस संवैधानिक मामले में राजनीतिक दलों और विधि विशेषज्ञों की राय बंटी हुई है। एक पक्ष विधेयकों पर फैसले लेने के लिए राज्यपालों और राष्ट्रपति के लिए समयसीमा तय करने के सुप्रीम कोर्ट के आदेश को उचित मान रहा है और दूसरा पक्ष उसे शीर्ष अदालत की ओर से न्यायिक सीमा एवं स्वतंत्रता का अतिक्रमण बता रहा। फिलहाल दोनों ही पक्ष सुप्रीम कोर्ट में अपनी दलीलें देने में लगे हुए हैं। केंद्र सरकार के वकील कह रहे हैं कि संविधान ने राज्यपालों और राष्ट्रपति के लिए कोई समयसीमा तय नहीं की है और जिसकी जरूरत संविधान ने नहीं महसूस की, उसकी पूर्ति करने का प्रयत्न सुप्रीम कोर्ट ने क्यों किया? इसी पहलू पर जोर देने के लिए यह भी कहा जा रहा है कि हर समस्या का समाधान सुप्रीम कोर्ट नहीं है। कुछ समस्याओं का समाधान राजनीतिक तरीके से भी होता है। यहां यह स्मरण करना आवश्यक है कि जब नरसिंह राव प्रधानमंत्री थे।

आज का विचार

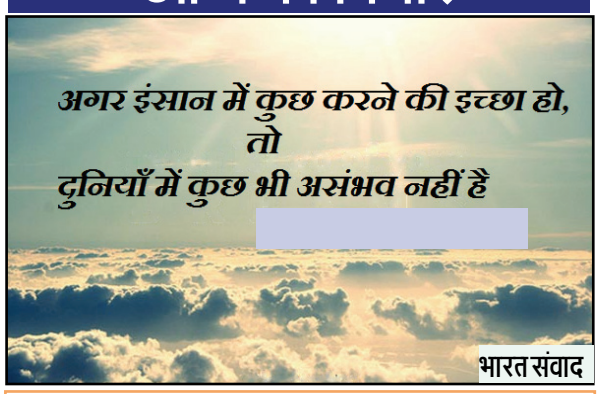

राशिफल

मेष राशि : राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को सावधान रहने की जरूरत है, अन्यथा विरोधी आपके काम में बाधा उत्पन्न कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में आपको कामकाज को पूरा करने के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है।

वृषभ राशि : कला और साहित्य से जुड़े लोगों के मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। वहीं, कार्यक्षेत्र में किसी बड़े-बुजुर्ग के सहयोग और समर्थन से आपके व्यवसाय में प्रगति होगी। आर्थिक मामलों में भी दिन शुभ रहने वाला है और पराक्रम में वृद्धि होगी।

मिथुन राशि: आपका दिन अच्छा रहने वाला है और ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। इसी के चलते आप कार्यक्षेत्र में पूरी मेहनत और लगन के साथ काम कर सकते हैं। व्यापार के मामले में अपनी बुद्धिमानी और कौशल से आप बड़ी सफलता प्राप्त करकेंगे। वहीं, राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोग अगर किसी समस्या का सामना कर रहे थे

कर्क राशि : नौकरी, व्यवसाय और राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को आज प्रगति प्राप्त हो सकती है, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। कार्यक्षेत्र में बड़े-बुजुर्ग आपकी हर प्रकार की सहायता कर सकते हैं, जिससे उन्नति के नए मार्ग खुलेंगे। साहित्य के क्षेत्र में आ रही बाधाओं से छुटकारा मिल सकता है।

सिंह राशि करियर: कार्यक्षेत्र और परिवार में विपरीत स्थिति उत्पन्न होने पर आपको साहस और धैर्य से काम लेना होगा। बिना सोचे-समझे और जल्दबाजी में फैसले लेने से नुकसान हो सकता है। समझदारी और बुद्धिमानी से निर्णय लेने से कार्यक्षेत्र में प्रगति मिल सकती है।

कन्या राशि : राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को किसी तनाव की स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में शांति और धैर्य के साथ फैसले लेना आपके लिए बेहतर रहेगा। परिवार में किसी संपत्ति को लेकर तनाव उत्पन्न होने की भी संभावना है।

तुला राशि : आपके पराक्रम और धन में वृद्धि होगी, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। अगर कानूनी या कोर्ट के किसी मामले में फंसे थे तो अब वहां भी आपकी जीत हो सकती है, जिससे तनाव कम होगा। कार्यक्षेत्र में अपनी मेहनत से आप सफलता हासिल करेंगे।

वृश्चिक राशि : व्यापार और कारोबार के मामले में दिन अच्छा रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में कामकाज की स्थिति बेहतर रहने से आपको संतुष्टि महसूस हो सकती है। वहीं, सकारात्मक परिणाम प्राप्त होने से सम्मान और आत्मविश्वास में भी वृद्धि होगी। व्यवसाय में लाभ के अच्छे अवसर मिलने की संभावना है

धनु राशि: आर्थिक मामलों में आपको सतर्क रहने की जरूरत है क्योंकि खर्चे बढ़ सकते हैं। ऐसे में बजट बनाकर चलना बेहतर रहेगा। कार्यस्थल में विरोधियों से सावधान रहें और कोई भी अनावश्यक बात न कहें, अन्यथा वे आपकी बात को अलग तरीके से सभी के सामने रख सकते हैं।

मकर राशि : राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोग नए संपर्क बना सकते हैं, जिससे भविष्य में लाभ मिलने की संभावना है। लेकिन कार्यक्षेत्र में आपको किसी भी व्यक्ति पर जरूरत से ज्यादा विश्वास करने से बचना होगा, अन्यथा नुकसान हो सकता है।

कुंभ राशि : कार्यक्षेत्र में पैसों के लेन-देन के मामले में आपको सावधान रहना होगा। खर्चे अधिक बढ़ने के कारण थोड़े परेशान रह सकते हैं। ऐसे में आपको किसी से उधार लेना पड़ सकता है। हालांकि, कोई भी फैसला जल्दबाजी में न लें, अन्यथा नुकसान हो सकता है।

मीन राशि : कारोबार के मामले में आपको उन्नति के रास्ते मिल सकते हैं और समाज में सम्मान भी बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में विरोधी आपके कार्यों में बाधाएं डालने में सफल नहीं हो पाएंगे। आपको किसी गुरु या गुरु तुल्य व्यक्ति के सहयोग से मार्गदर्शन मिल सकता है और जीवन की समस्याएं भी कम होंगी।

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

मेरिट बनाम मौकापरस्ती, राधाकृष्णन के सामने सुदर्शन

रेड्डी का न्यायिक रिकार्ड भी विश्वास नहीं जगाता। 2011 में छत्तीसगढ़ में माओवाद विरोधी पहल सलवा जुडूम को खारिज करने का उनका फैसला भारत की माओवादी हिंसा से लड़ाई के लिए झटका माना गया। आज जब माओवाद की समस्या लगभग समाप्ति की ओर है तब रेड्डी का फैसला कई सवाल खड़े करता है।

पा देश में उपराष्ट्रपति के चुनाव की प्रक्रिया आरंभ हो गई है। भाजपा की अगुआई वाले राजग तथा कांग्रेस की अगुआई वाले विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए ने अपने-अपने उम्मीदवारों का चयन कर लिया है। राजग ने सीपी राधाकृष्णन को प्रत्याशी बनाया है। इसके उलट आइएनडीआइए ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जस्टिस बी सुदर्शन रेड्डी को प्रत्याशी बनाया है। ये दोनों राष्ट्र के लिए दो बिल्कुल विपरीत दृष्टिकोणों की तस्वीर पेश करते हैं। वास्तव में यह चुनाव मेरिट बनाम मौकापरस्ती की टक्कर है। सीपी राधाकृष्णन ने कोयंबटूर से दो बार सांसद के रूप में सेवा की और दशकों की निष्ठा के जरिए जनता का विश्वास अर्जित किया। झारखंड के राज्यपाल के रूप में उन्होंने संवैधानिक दायित्वों को गरिमा और दृढ़ता के साथ निभाया, आम आदमी से जुड़े रहे और सामाजिक परिवर्तन सुनिश्चित किया। उनका उपराष्ट्रपति पद तक पहुंचना जनता और संविधान के प्रति आजीवन सेवा की मान्यता है। उनकी उम्मीदवारी तमिलों और दक्षिण भारत के कई लोगों के लिए व्यक्तिगत भावनाओं से जुड़ी है। यह संकेत है कि नई दिल्ली में उनकी आवाज मायने रखती है। यह कोई रहस्य नहीं कि कांग्रेस शासन के चरम काल में तमिलनाडु अक्सर राष्ट्रीय राजनीति से उपेक्षित महसूस करता था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में यह स्थिति बदली है। राधाकृष्णन का उत्थान नए भारत की कहानी में तमिलनाडु की केंद्रीयता का सशक्त प्रतीक है। पीएम मोदी की तमिलनाडु के प्रति प्रतिबद्धता इस नामांकन से कहीं आगे जाती है। पिछले एक दशक में उन्होंने सुनिश्चित किया है कि तमिल नेता भारत की शासन प्रणाली में अग्रणी भूमिका निभाएं। जैसे कि डा. तमिलिसाई सैंदरराजन ने तेलंगाना और पुदुचेरी के राज्यपाल के रूप में अपनी विशेषज्ञता और नेतृत्व का प्रदर्शन किया। निर्मला सीतारमण का रक्षा और वित्त मंत्री के रूप में कार्यकाल भारत की आर्थिक दृढ़ता का वैश्विक प्रतीक बना है। डा. एस. जयशंकर की तीक्ष्ण कूटनीति और विदेश मंत्री के रूप में सेवा ने भारत की आवाज को विश्व मंच पर बुलंद किया है। ये सिर्फ प्रतीकात्मक नियुक्तियां नहीं हैं, बल्कि यह प्रमाण है कि पीएम मोदी तमिलनाडु को प्रतिभा का पावरहाउस और हमारी सामूहिक भारतीय विरासत का भंडार मानते हैं। संयुक्त राष्ट्र में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा प्राचीन तमिल ग्रंथ तिरुक्कुरल का उद्धरण देना, तमिल को विश्व की सबसे पुरानी भाषा घोषित करना या पवित्र सेंगोल को सम्मान की जगह देना, ये पल केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि तमिल पहचान को भारत के आत्मा का अभिन्न हिस्सा मानने का उत्सव हैं। इसमें काशी तमिल संगमम और सौराष्ट्र तमिल संगमम जैसी पहलें भी जुड़ जाती हैं, जो तमिल परंपराओं को अन्य क्षेत्रों की परंपराओं से जोड़ती हैं। राधाकृष्णन इसी एक भारत की भावना का प्रतीक हैं। इसके विपरीत आइएनडीआइए के चुनाव में अवसरवाद और पाखंड की बू आ रही है, जिससे साफ है कि यह गठबंधन सिद्धांतों से अधिक राजनीतिक अवसरवाद पर केंद्रित है। 2013 में जब रेड्डी को गोवा का पहला लोकायुक्त नियुक्त किया गया था, तब कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने उन्हें भाजपा का ह्लहां-में-हां मिलाने वाला आदमीह्व बताया था। आज 2025 में वही कांग्रेस-नेतृत्व वाला गठबंधन उन्हें ह्लन्याय का चैंपियनह्व बता रहा है। रेड्डी का न्यायिक रिकार्ड भी विश्वास नहीं जगाता। 2011 में छत्तीसगढ़ में माओवाद विरोधी पहल सलवा जुडूम को खारिज करने का उनका फैसला भारत की माओवादी हिंसा से लड़ाई के लिए झटका माना गया। आज जब माओवाद की समस्या लगभग समाप्ति की ओर है, तब रेड्डी का फैसला कई सवाल खड़े करता है। क्या हम ऐसे व्यक्ति को उपराष्ट्रपति की कुर्सी पर देखना चाहेंगे? भोपाल गैस त्रासदी मामले में भी रेड्डी द्वारा इसे दोबारा न खोलने का फैसला उनकी विरासत पर दाग है। उनका नामांकन मध्य प्रदेश के लोगों के लिए उस अन्याय की क्रूर याद जैसा है। जब न्यायमूर्ति रंजन गोगोई ने राज्यसभा सदस्यता स्वीकार की थी, तब कांग्रेस ने न्यायपालिका की स्वतंत्रता का मुद्दा उठाते हुए एनडीए पर राजनीति का आरोप लगाया था, लेकिन अब वही सुप्रीम कोर्ट के एक पूर्व जज को उपराष्ट्रपति पद के लिए खड़ा कर रही है। रेड्डी का नामांकन आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में क्षेत्रीय भावनाओं को भुनाने का एक सोचा-समझा प्रयास प्रतीत होता है। जबकि गठबंधन के पास पर्याप्त संख्या ही नहीं है। ऐसा लगता है कि वे एक तेलुगु व्यक्ति को असफल होने के लिए आगे बढ़ा रहे हैं। सच कहें तो कांग्रेस ने हमेशा तेलुगु गौरव और नेताओं को अपमानित किया है-चाहे वह टी अंजैया हों या पीवी नरसिंह राव। पीएम मोदी ने हमेशा हाशिए पर रहे तमिल स्वरों को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाया है। राज्यपाल के रूप में सेवा देने वाले इला गणेशन और केंद्रीय मंत्री डा. एल मुरुगन जैसे नेता उदाहरण हैं। वहीं आइएनडीआइए का चुनाव हताशा से भरा, आखिरी क्षणों में कथा गढ़ने का प्रयास है। यह जंग है एक स्वयंसेवक की, जो राष्ट्र प्रथम को मानता है, बनाम उस व्यक्ति की, जो पारिवारिक राजनीतिक सुविधा को संविधान और वैचारिक प्रतिबद्धता से ऊपर रखता है।

अमेरिका नहीं चाहता भारत का उभार, अब देश को एकसाथ मिलकर चौगुनी शक्ति से करना होगा काम

अमेरिकी अर्थशास्त्री जैफरी सैक्स कहते हैं कि भारत को सफल होते देख अमेरिका उसका विरोध करेगा क्योंकि यह उसके स्वभाव में है। इसी कारण पहले अमेरिका रूस का विरोध कम्युनिज्म के नाम पर करता था। अब कम्युनिज्म के पतन के बाद भी उसका विरोध जारी है क्योंकि अभी भी रूस एक बड़ी भूराजनीतिक शक्ति है और वह कभी अमेरिकी कठपुतली नहीं बनेगा भारत द्वारा 1998 में पोखरण परमाणु परीक्षणों के बाद अमेरिका द्वारा उस पर लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों का कोई प्रभाव न होते देख और चीन एवं इस्लामिक कट्टरपंथ के उभार से चिंतित अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन ने यह निर्णय लिया कि भारत से कटकर एशिया की भूराजनीति चलाना संभव नहीं है। हालांकि उस दौर में दोनों देशों के संबंधों में इतनी कटुता आ चुकी थी कि एकदम से सब कुछ सामान्य हो पाना संभव नहीं था। इसलिए भारत और अमेरिका कैसे एशिया की अगली सदी को मिलकर गढ़ सकते हैं, इस पर चर्चा के लिए अमेरिकी उप विदेश मंत्री स्ट्रोब टालबोट और भारतीय विदेश मंत्री जसवंत सिंह के बीच 11 दौर की गुप्त वार्ता विश्व में अलग-अलग स्थानों पर हुई। इन वाताओं से अमेरिका में यह सहमति बनी कि भारत के सामरिक उदय को सुनिश्चित किया जाना पूरे एशिया और समूचे विश्व की सुरक्षा और स्थिरता के लिए आवश्यक है। यह कुछ-कुछ वैसा ही था, जैसा निक्सन और किसिंजर द्वारा 1970 के दशक में यह तय करना कि अमेरिका सोवियत संघ को कमजोर करने के लिए चीन का उदय सुनिश्चित करेगा। टालबोट-जसवंत वार्ता की परिणति ही भारत के ऊपर से अमेरिकी प्रतिबंध हटाए जाने, कारगिल युद्ध के समय राष्ट्रपति क्लिंटन के भारत की ओर झुकाव के रूप में दिखाई दी। भारत के उदय को सुनिश्चित करने की इस नीति के पक्षधर डेमोक्रेट और रिपब्लिकन दोनों ही बने। क्लिंटन के बाद रिपब्लिकन राष्ट्रपति जार्ज बुश ने पहले प्रधानमंत्री वाजपेयी और बाद में मनमोहन सिंह के साथ मिलकर भारत-अमेरिका परमाणु समझौते की रूपरेखा तैयार की और उसे मूर्त रूप भी दिया गया। इससे जरिये भारत को परमाणु अप्रसार संधि पर हस्ताक्षर किए बिना भी एक जिम्मेदार परमाणु शक्ति के तौर पर स्वीकार कर लिया गया और अमेरिका ने चीन के विरोध को दरकिनार करते हुए भारत को परमाणु आपूर्तिकर्ता संगठन का सदस्य भी बनवाया। द्विपक्षीय संबंधों में प्रगाढ़ता धीरे-धीरे आगे बढ़ती रही। दोनों देशों के बीच 2005 में बनी रणनीतिक साझेदारी को 2020 में राष्ट्रपति ट्रंप के पहले कार्यकाल में समग्र वैश्विक और सामरिक साझेदारी का रूप दिया गया। भारत ने अमेरिका के साथ कई अहम रक्षा समझौते भी किए। यह सिलसिला एक बड़ी हद तक ट्रंप के पहले कार्यकाल और बाइडन के दौर तक चलता रहा, लेकिन ट्रंप के दूसरे कार्यकाल विशेषकर आपरेशन सिंदूर के बाद के परिदृश्य में अमेरिकी रवैया बदल गया। कुछ लोग इसे भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम के ट्रंप के दावे को भारत द्वारा बार-बार खारिज करने से भी जोड़कर देख रहे हैं। यह पूरी तरह सही नहीं। अमेरिका में एक तबका भारत से कुछ अनावश्यक उम्मीदें रखता आया है। ऐसी ही एक उम्मीद ताइवान से जुड़ी है। वहां एक वर्ग चाहता है कि ताइवान पर संभावित चीनी हमले की स्थिति में भारत उसके मुकाबले में सहायक बने, मगर भारत यूक्रेन की तरह अमेरिकी सामरिक हितों को साधने के लिए कोई भाड़े पर लड़ने वाला देश नहीं बन सकता। यह बात वाशिंगटन को पच नहीं रही। यह उसकी समझ से बाहर है कि अमेरिका संग कई रक्षा समझौतों के बाद भी कोई देश अपना सामरिक चुनाव खुद कैसे कर सकता है? भारत के मामले में ऐसा होते देख अमेरिका की सामरिक बिरादरी कुंठा और गुस्से से भरी पड़ी है। भारतीय मामलों पर वाशिंगटन में एक बड़ी आवाज माने जाने वाले एश्ले टैलिस ने 2023 में ही एक लेख में लिखा था कि अमेरिका ने भारत पर गलत दांव लगाया है। एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि अमेरिका चीन के साथ युद्ध की स्थिति में भारत की तटस्थता बर्दाश्त नहीं कर सकता। टैलिस वाशिंगटन में भारत को लेकर पनप रही खिसियाहट को ही दर्शा रहे थे। यह वही समय था जब यूक्रेन युद्ध फंस चुका था। अमेरिका रूस से सीधा टकराव नहीं मोल लेना चाहता था। चीन को वह दबाव में ले नहीं सकता था, इसलिए भारत को रूसी तेल खरीदने के आरोप में दबाव में लेने का फैसला लिया गया। तब से ही यही नीति जारी है। बस बाइडन और ट्रंप के तरीके अलग हैं। बाइडन प्रशासन भारत को दबाव में लेने के लिए खालिस्तान कार्ड खेलता रहा। कनाडा की ट्रूडो सरकार के जरिये भारतीय नेतृत्व पर खालिस्तानी आतंकी निज्जर की हत्या के आरोप लगाए गए। इतने से बात नहीं बनी तो गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश रचने के आरोप भी मढ़े गए। जब ट्रंप दोबारा सत्ता में वापस आए तो उन्होंने पाकिस्तान के साथ नजदीकियां बढ़ानी प्रारंभ कर दी थीं। जब पहलगाम हमला हुआ, तब उनके प्रतिनिधि पाकिस्तान के साथ क्रिप्टोकरेंसी डील पर हस्ताक्षर करने की तैयारी कर रहे थे। ऐसे में यह सोचना एक भूल है कि भारत-पाकिस्तान सीजफायर का श्रेय न मिलने से क्रुद्ध ट्रंप ने भारत पर टैरिफ लगाए हैं। वाशिंगटन में अब यह सोच बन चुका है कि भारत के महाशक्ति के रूप में उदय का समर्थन करने से कोई लाभ नहीं है, क्योंकि वह अमेरिका के इशारों पर नाचने वाला नहीं है। अमेरिका को लगता है कि जब चीन से निपटना ही उसे भारी पड़ रहा है तो सामरिक रूप से स्वायत्त महाशक्ति के रूप में भारत का उदय तो भविष्य में उसके वैश्विक प्रभुत्व के लिए चुनौती बढ़ाने का ही काम करेगा। अमेरिका भारत को अगला चीन बनते नहीं देखना चाहेगा। अमेरिकी अर्थशास्त्री जैफरी सैक्स कहते हैं कि भारत को सफल होते देख अमेरिका उसका विरोध करेगा, क्योंकि यह उसके स्वभाव में है। इसी कारण पहले अमेरिका रूस का विरोध कम्युनिज्म के नाम पर करता था। अब कम्युनिज्म के पतन के बाद भी उसका विरोध जारी है, क्योंकि अभी भी रूस एक बड़ी भूराजनीतिक शक्ति है और वह कभी अमेरिकी कठपुतली नहीं बनेगा। भारत के चमत्कारिक आर्थिक विकास के चलते यही अमेरिकी रवैया अब भारत के प्रति दिखने लगा है। ऐसे में यदि भारत को आर्थिक और सैन्य महाशक्ति बनने की अपनी यात्रा जारी रखनी है तो हमारे उद्योगपतियों, शिक्षाविदों, अनुसंधानकर्ताओं, पेशेवरों और छात्रों को चौगुनी शक्ति से काम करना होगा।

धर्मनिरपेक्षता भारत की स्वस्थ परंपरा एवं आंतरिक मजबूती

संजीव ठाकुर

नधर्मनिरपेक्षता लोकतंत्र को सशक्त करने हेतु एक महत्वपूर्ण एवं शाश्वत सिद्धांत है धर्मनिरपेक्षता भारतीय राजनीति का मूल आधार तत्व है जिसमें राजनीतिक दलों को भारतीय संविधान की महत्वपूर्ण भूमिका अंतर्निहित है धर्मनिरपेक्षता धार्मिक उग्रवाद का बड़ा विरोधी भाव है इसमें धर्म के प्रति विद्वेष का भाव नहीं होता है, बल्कि सभी धर्मों का समान आदर किया जाता है इस आधुनिक काल में धर्मनिरपेक्षता सामाजिक और राजनीतिक सिद्धांत में प्रस्तुत सर्वाधिक जटिल शब्दों में एक है। धर्मनिरपेक्षता का अर्थ पाश्चात्य तथा भारतीय संदर्भ में अलग-अलग है भारतीय धर्मनिरपेक्षता का तात्पर्य समाज में विभिन्न धार्मिक मतों का अस्तित्व मूल्यों को बनाए रखने सभी मतों का विकास और समृद्धि करने की स्वतंत्रता का तथा साथ ही साथ सभी धर्मों के प्रति एक समान आदर तथा सहिष्णुता विकसित करना है पश्चिमी संदर्भ में धर्मनिरपेक्षता का तात्पर्य ऐसी व्यवस्था से है जहां धर्म और राज्यों का एक दूसरे के मामले में हस्तक्षेप न करना तथा व्यक्तियों और उसके अधिकारों को केंद्रीय महत्व दिया जाना शामिल है। यद्यपि भारतीय धर्मनिरपेक्षता में पश्चिमी भाव तो शामिल हैं साथ-साथ कुछ अन्य भाव भी शामिल किए गए हैं धर्मनिरपेक्ष व्यक्ति समाज या राष्ट्र अभाव होता है, जो किसी विशेष धर्म या अन्य धर्मों की तुलना में पक्षपात नहीं करता है भारतीय संदर्भ धर्मनिरपेक्षता की आजादी के बाद बड़ी स्वच्छ एवं स्वस्थ सार्वभौमिक परंपरा रही है इसमें किसी व्यक्ति से धर्म और संप्रदाय के नाम पर किसी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाता है प्रत्येक नागरिक को इसके अंतर्गत स्वतंत्रता प्राप्त होती है कि वह अपनी इच्छा अनुसार किसी भी धर्म को अपनाएं एवं किसी भी व्यक्ति के धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप न करें, भारत में धर्म और राजनीति को एक दूसरे से अलग तथा पृथक रखने की हमेशा कोशिश की गई है भारत में राज्य का अपना कोई धर्म नहीं है, यहां राज्य की नजर में सब एक समान है भारत में धर्मनिरपेक्षता में सभी धर्मों को समानता का दर्जा प्रदान किया गया है। सभी धर्मों के नागरिकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वह सभी धर्मों के नागरिकों को समान आदर व इज्जत से व्यवहार करें भारतीय धर्मनिरपेक्षता राज्य के सभी धर्मों को विकास का समान अवसर देती है, इस प्रकार यह माना जा सकता है कि धर्मनिरपेक्षता सर्वधर्म समभाव पर विशेष महत्व देकर उस पर केंद्रित करती है धर्मनिरपेक्षता के अंतर्गत तर्क और विवेक की प्रधानता होती है, सभी व्यक्ति को सब कुछ कहने और विचार करने की स्वतंत्रता होने के साथ-साथ वैज्ञानिक आविष्कारों को भी पूर्ण अधिकार के साथ प्रोत्साहित भी किया जाता है भारतीय संदर्भ में धर्मनिरपेक्षता से विविधता में एकता को बल मिलता है हालांकि कुछ राजनीतिक दलों ने समय-समय पर भारतीय धर्मनिरपेक्षता को सत्ता प्राप्त करने हेतु कमजोर करने की कोशिश की है, यह हमारी जिम्मेदारी तो है ही साथ ही आम जनता, राजनीतिक दलों, मीडिया एवं सभी प्रमुख राजनीतिक दलों की महती जिम्मेदारी है कि भारतीय संविधान के अनुरूप धर्मनिरपेक्षता का राजनीतिक, सामाजिक जीवन में पालन करें, जिससे हमारे देश का लोकतंत्र और अधिक सुदृढ़ होकर विश्व के लिए एक आदर्श प्रतिमान प्रस्तुत करें आजादी के पूर्व तथा आजादी के पश्चात महात्मा गांधी, मौलाना अबुल कलाम आजाद, जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभभाई पटेल, लाल बहादुर शास्त्री आदि नेताओं का धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के प्रति अटूट श्रद्धा एवं विश्वास था स्वतंत्रता के पूर्व राष्ट्रीय आंदोलन से पहले ही सामाजिक धार्मिक सुधार आंदोलन ने धर्मनिरपेक्षता का मार्ग प्रशस्त कर दिया था, और स्वतंत्रता के बाद भारत में धर्मनिरपेक्षता की लोकतांत्रिक शासन प्रणाली अपनाई गई है, जिसके अंतर्गत व्यक्ति को समानता स्वतंत्रता व न्याय जैसे मानव अधिकार प्राप्त हैं और इन अधिकारों में सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्वतंत्रता को माना गया है

भारत संवाद

प्रयागराज ,गुरूवार , 28 अगस्त, 2025

ऑपरेशन सतर्क के तहत प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर 02 व्यक्ति अवैध शराब के साथ गिरफ्तार

भारत संवाद

बिहार विधानसभा चुनाव के मद्देनजर रेलवे सुरक्षा बल एवं राजकीय रेलवे पुलिस द्वारा ऑपरेशन सतर्क के तहत सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक 26.08.2025 को प्रयागराज छिवकी स्टेशन पर प्लेटफार्म संख्या-3 लिफ्ट के पास से सुबह 10:32 बजे दो व्यक्तियों को अवैध अंग्रेजी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार व्यक्तियों के नाम आकाश कुमार (निवासी नालंदा, बिहार) एवं राजा कुमार (निवासी पटना, बिहार) हैं। गिरफ्तार व्यक्तियों के पास से 28 नग ब्लेंडर प्राइड (750 ML), 12 नग रॉयल स्टेज (750 ML), 09 नग मैजिक मोमेंट (750 ML) तथा 144 नग आफ्टर डार्क ब्लू (180 ML) कुल तीन पिट्ठू बैग में बरामद किए गए, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 61,200/- है। गिरफ्तार अभियुक्तों को आवश्यक विधिक कार्यवाही हेतु आबकारी विभाग, प्रयागराज को सुपुर्द कर दिया गया। रेलवे सुरक्षा बल एवं राजकीय रेलवे पुलिस द्वारा चुनाव के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ किया गया है तथा संदिग्ध गतिविधियों पर लगातार सघन निगरानी रखी जा रही है।

10 हजार घरों में बाढ़ का पानी

गंगा-यमुना नदी खतरे के निशान के करीब, प्रतियोगी छात्रों का पलायन शुरू

भारत संवाद

प्रयागराज, एक बार फिर से बाढ़ की चपेट में आ गया है।बीते एक महीने में यह चौथी बार है, जब शहर की बड़ी आबादी को बाढ़ का सामना करना पड़ रहा है। गंगा और यमुना नदियों का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है और अब खतरे के निशान के करीब पहुंच चुका है। बीते दो दिनों में जलस्तर में अचानक तेजी से वृद्धि हुई, जिससे हालात और भी गंभीर हो गए हैं। अब तक 10,000 से अधिक घरों में पानी घुस चुका है, जिससे स्थानीय लोगों के साथ-साथ प्रतियोगी छात्र भी भारी संकट में हैं। प्रयागराज के राजापुर, बेली गांव, गोविंदपुर, कैलाशपुरी, छोटा बघाड़ा, बड़ा बघाड़ा, दारागंज, नागौर और सुखी जैसे इलाकों में बाढ़ का पानी घुस चुका है। गलियों में पानी भर जाने से आम जनजीवन बुरी तरह से प्रभावित हो गया है। गोविंदपुर जैसे इलाकों में कुछ गलियां बाढ़ के पूरी तरह से चपेट में हैं ,चारों ओर पानी और कीचड़ का आलम है। लोगों को निकलने में परेशानी हो रही है। शहर में रहने वाले प्रतियोगी छात्र, जो किराये के कमरों में रहकर पढ़ाई करते हैं, वे इस प्राकृतिक आपदा से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। जलभराव के कारण कई छात्र अपने कमरों में कैद होकर रह गए हैं, जबकि कई अन्य को पलायन करना पड़ा है। पानी घरों में घुस जाने से न केवल उनका अध्ययन प्रभावित हो रहा है, बल्कि रहने और खाने जैसी बुनियादी जरूरतें भी पूरी करना मुश्किल हो गया है। न हीं अपने घर जा पा रहे है। छात्रों का कहना है कि प्रशासन किसी प्रकार की कोई मदद नहीं कर रहा है। बाढ़ से प्रभावित इलाकों में बिजली आपूर्ति भी बाधित हो चुकी है, जिससे लोगों की परेशानियां और बढ़ गई हैं। कई जगहों पर बिजली पूरी तरह ठप है। ऐसे में लोगों को अंधेरे में रातें बितानी पड़ रही हैं और मोबाइल चार्ज तक नहीं हो पा रहे।

घर में आए दिन सांप निकल रहे है। तरह-तरह के कीड़े निकल रहे है। बहुत ज्यादा समस्या हो रही है। स्थानीय दुकानदार भी इस बार-बार आने वाली बाढ़ से बेहद परेशान हैं। उनका कहना है कि हर बार दुकान का सामान बचाने के लिए उसे हटाकर दूसरी जगह ले जाना पड़ता है।

इससे न केवल आर्थिक नुकसान हो रहा है, बल्कि मेहनत और श्रम की बबार्दी भी हो रही है। कोई सामान खरीदने नहीं आ रहा है। हम लोगों का काफी नुकसान हो रहा है।

फास्ट ट्रैक

थाना चुनार पुलिस द्वारा अवैध डठएफए नशीला सीरप की 8374 शीशी के साथ एक अभियुक्त गिरफ्तार, परिवहन में प्रयुक्त वाहन (डीसीएम ट्रक) बरामद

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था सुदृढ़ बनाये रखने हेतु अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने तथा अवैध रूप से मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान में प्रभावी कार्यवाही करने हेतु जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को निर्देश दिया गया है । उक्त निर्देश के अनुक्रम में पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन व क्षेत्राधिकारी चुनार के नेतृत्व में थाना चुनार पुलिस टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है ।दिनांकः 26.08.2025 को मुखबिर से प्राप्त सूचना के आधार पर थाना चुनार पुलिस टीम द्वारा थाना चुनार क्षेत्रांतर्गत पुलिस चौकी चकगंभीरा के पास सघन चेकिंग कर डीसीएम ट्रक अंकित वाहन संख्याः टल 14 लत्रः 0083 में सवार 01 अभियुक्त सुनील कुमार बैरागी पुत्र स्व0 आमोल दास बैरागी निवासी राजू कालोनी मण्डला थाना मण्डला जनपद मण्डला मध्य प्रदेश को गिरफ्तार किया गया ।बरामद वाहन की तलाशी ली गयी तो उपरोक्त वाहन डीसीएम ट्रक से 8374 शीशी (प्रत्येक 100 एमएल) अवैध डठएफए नशीला सीरप बरामद हुई ।उक्त गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना चुनार पर मु0अ0स0- 416/2025 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट, 319(2),318(4) बीएनएस पंजीकृत कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार अभियुक्त को मा0न्यायालय/जेल भेजा जा रहा है तथा तस्करी में प्रयुक्त उपरोक्त डीसीएम ट्रक वाहन को अन्तर्गत धारा 207 एमवी एक्ट में सीज किया गया ।

थाना को0देहात पुलिस द्वारा यूवती को बहला-फुसला के भगाने व धर्मान्तरण के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त गिरफ्तार

थाना को0देहात, जनपद मीरजापुर पर एक व्यक्ति द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध वादी की पुत्री को बहला-फुसला के भगाने, धमकी देने व धर्म परिवर्तन के सम्बन्ध में लिखित तहरीर दी गई ।उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना को0देहात पर मु0अ0सं0-359/2025 धारा 87,351(2) बीएनएस व 3/5(1) धर्म परिवर्तन निषेध अधिनियम पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई । सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी सदर के नेतृत्व में थाना प्रभारी को0देहात को अभियुक्त की यथाशीघ्र गिरफ्तारी करने के निर्देश दिए गए । उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना को0देहात पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में पतारसी सुरागरसी एवं अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में त्वरित कार्यवाही करते हुए आज दिनांकः 27.08.2025 को उप निरीक्षक कुमार संतोष मय पुलिस टीम द्वारा थाना को0देहात क्षेत्रांतर्गत आमघाट नहर पुलिया के पास से नामजद अभियुक्त साजिद अली पुत्र सत्तार निवासी भटौली थाना को0देहात जनपद मीरजापुर को अंतर्गत धारा 87,351(2) बीएनएस व 3/5(1) धर्म परिवर्तन निषेध अधिनियम में गिरफ्तार कर अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए गिरफ्तार मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

थाना मड़िहान पुलिस द्वारा 02 शातिर चोर को गिरफ्तार किया गया, चोरी की 02 अदद मोटर साइकिल बरामद

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था को सुदृढ़ बनाये रखने तथा अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान व वाहनों की चोरी एवं बिक्री करने वालों के विरूद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए अभियुक्तों की गिरफ्तारी/बरामदगी करने हेतु जनपद के समस्त थाना प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्षगण को निर्देश दिये गये हैं। उक्त निर्देश के अनुक्रम में पुलिस अधीक्षक आपरेशन व क्षेत्राधिकारी आपरेशन के नेतृत्व में थाना मड़िहान पुलिस टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है । आज दिनांकः 27.08.2025 को उपनिरीक्षक अरूण कुमार पाण्डेय मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर की सूचना के आधार पर थाना मड़िहान क्षेत्रान्तर्गत ग्राम राजापुर मोड़ के पास से 02 शातिर अभियुक्तों 1. रोशन कुमार पुत्र स्व0 दयाराम निवासी अमिरती थाना पड़री जनपद मीरजापुर व 2. जीऊत लाल पुत्र राजू निवासी मड़िहान पहड़ी थाना मड़िहान जनपद मीरजापुर को गिरफ्तार किया गया ।

नगर आयुक्त द्वारा नगर सृजन योजना का किया निरीक्षण

एस0पी0 कन्ट्रक्शन को ब्लैक लिस्ट किये जाने के निर्देश

- मानक के विपरीप पाये जाने पर पुनः निर्माण के आदेश,
- सम्बन्धित फर्म पर अर्थ दण्ड आरोपित किया जाए।

भारत संवाद

प्रयागराज। प्रयागरज के विभिन्न क्षेत्रों में चल रहे निर्माण कार्यो के गुणवत्तापूर्ण कराये जाने के दृष्टिगत नगर आयुक्त नगर निगम प्रयागराज श्री साई तेजा द्वारा आज दिनांक 27 अगस्त 2025 को नगर सृजन योजना तथा वर्षा जल निकासी योजना के अन्तर्गत सी0सी0सड़क निमार्ण, नाला/नाली निर्माण का औचक निरीक्षण किया गया। नगर आयुक्त द्वारा नगर क्षेत्र जोन 8 झूंसी वार्ड 75 झूंसी पुलिस चौकी के पास नाला रू0-65 लाख से निर्माण कार्य, जोन 8 वार्ड 45 छतनांग, अन्दावां भागीपुर में रू0 40 लाख की लागत से सी0सी0 रोड एवं नाली का निर्माण कार्य, झूंसी वार्ड 45 छतनांग में वर्षा जल निकासी योजना के अन्तर्गत नाले का निर्माण कार्य तथा झूंसी वार्ड 09 सोनौटी में सी0सी0रोड तथ नाली निर्माण कार्य रू0 01.08 करोड़ की लागत से कराये जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान नाले पर ढाले गये पुलिया/स्लैब की मोटाई कम पायी गयी, नगर आयुक्त द्वारा निर्माण कार्य पर सम्पूर्ण टी0पी0आई0 रिपोर्ट पत्रावली पर मॉगने के निदेश मुख्य अभियन्ता को दिये गये। निरीक्षण के दौरान वार्ड 45 छतनांग, झूंसी वार्ड 09 सोनौटी में सी0सी0रोड तथा नाली निर्माण कार्य तथा अन्दावां भागीपुर में स्लैब का निर्माण कार्य मानक के अनुरूप कार्य हुआ है कि नही जिसकी जॉच कराए जाने हेतु मुख्य अभियन्ता को निर्देशित किया गया साथ ही नगर आयुक्त द्वारा मेसर्स लाल जी कन्ट्रक्शन विरूद्ध अर्थदण्ड आरोपित करते हुए पुनः स्लैब को ढाले जाने के निर्देश मुख्य अभियन्ता को दिये गये। वार्ड 52 हवेलिया में नगर सृजन योजना के अन्तर्गत मेसर्स एस0पी0कन्ट्रक्शन द्वारा सी0सी0रोड तथा नाली का निर्माण कार्य कराया जा रहा है निरीक्षण के दौरान सड़क का निर्माण कार्य भी मानक के अनुरूप नही पाया गया। नगर आयुक्त द्वारा निर्माण कार्यो में उपयुक्त होने वाली सामग्री की जॉच कराये जाने के निर्देश दिये गये साथ ही सम्बन्धित फर्म एस0पी0कन्ट्रक्शन को काली सूची में डाले जाने के निर्देश मुख्य अभियन्ता को दिये गये ।नगर आयुक्त द्वारा डोर-टू-डोर कूड़ा कलेक्शन हेतु कई नागरिकों से पूछे जाने पर आवगत कराया गया कि क्षेत्र में समय से कूड़ा वाली गाड़ियां पहुच जाती है, इस दौरान कई स्थानों पर मलवा तथा गन्दगी आदि पायी गयी। जिसके लिए जोन अधिकारी श्री सुदर्शन चन्द्रा को साफ-सफाई तथा मलवा हटवाए जाने हेतु अधिशाषी अभियन्ता को निर्देश दिये गये। सम्पूर्ण निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियन्ता, अधिशाषी अभियन्ता, अवर अभियन्ता, सम्बन्धित जोनल अधिकारी, क्षेत्रीय पार्षदगण, सम्बन्धित सफाई एवं खाद्य निरीक्षक, एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित हुए।

उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में खिलाड़ियों का सम्मान समारोह एवं क्रीड़ा प्रतियोगिताएं आयोजित

महाप्रबंधक द्वारा 12 खिलाड़ी एवं सपोर्ट स्टाफ किए गए सम्मानित

भारत संवाद

राष्ट्रीय खेल दिवस के उपलक्ष्य में उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय, मंडलों एवं अन्य इकाईयों मे विभिन्न कार्यक्रमों, खेल प्रतियोगिताओं एवं खेल के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों के सम्मान समारोहों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आज दिनांक 27.08.2025 को उत्तर मध्य रेलवे रेलगॉव स्टेडियम में विभिन्न क्रीड़ा प्रतियोगिताओं के आयोजन के साथ साथ पिछले एक वर्ष के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले उत्तर मध्य रेलवे के खिलाड़ियों और कोचों को स्पंदन अधिकारी क्लब में महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे श्री उपेंद्र चंद्र जोशी के मुख्य आतिथ्य एवं अध्यक्षा उत्तर मध्य रेलवे महिला कल्याण संगठन श्रीमती चेतना जोशी की गरिमामई उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। आज सर्वप्रथम महाप्रबंधक महोदय ने 04 किलोमीटर क्रॉस कंट्री दौड़ को रवाना किया। इसके उपरांत रिले रेस, रस्सा कशी, और रिले तैराकी प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ। इसी क्रम में स्पंदन अधिकारी क्लब के सभागार में क्रीड़ा प्रतियोगिताओं का पुरस्कार वितरण और उत्कृष्ट खेल योगदानकताओं का सम्मान हुआ। इस अवसर पर महाप्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे श्री उपेंद्र चंद्र जोशी एवं श्रीमती चेतना जोशी के हाथो से सम्मानित होने वालों में उत्तर मध्य रेलवे के अंकित पाल- हॉकी खिलाड़ी, नीतू डेविड-सहायक कोच क्रिकेट, रमनदीप कौर- एथलेटिक्स, फलक नाज-क्रिकेट, संजय कुमार- सहायक कोच भारोत्तोलन , स्वेता माने- क्रिकेट, राहुल शर्मा-क्रिकेट, जितेंद्र-बॉक्सिंग, पूनम यादव-क्रिकेट, एकता बिष्ट-क्रिकेट, नीलम कुशवाहा-कोच महिला हॉकी टीम, निशा-हॉकी शामिल रहे। ज्ञात हो महान हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित हो रहे इस सम्मान समारोह में कार्यक्रम का प्रारंभ में उनकी फोटो पर महाप्रबंधक महोदय एवं अन्य अधिकारियों तथा खिलाड़ियों द्वारा माल्यार्पण किया गया। कार्यक्रम में आगमन पर महाप्रबंधक महोदय का स्वागत पौधा भेंट कर अध्यक्ष उत्तर मध्य रेलवे खेल संघ एवं प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक श्री एस पी द्विवेदी ने किया। इस अवसर पर अपने स्वागत संबोधन में अध्यक्ष उत्तर मध्य रेलवे खेल संघ एवं प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक श्री एस पी द्विवेदी ने उत्तर मध्य रेलवे खेल संघ की उपलब्धियों और गतिविधियों का ब्यौरा प्रस्तुत किया। इसी क्रम में इस अवसर पर अपने संबोधन में महाप्रबंधक महोदय ने कहा कि हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद के जीवन से जुड़े अनुभव स्वाभाविक रूप से हम सबके लिए प्रेरणास्त्रोत हैं।

लखनऊ में 28 सितंबर को लता मंगेशकर की जयंती पर भव्य समारोह, दिव्यांग प्रतिभाओं को मिलेंगे वाद्य यंत्र

भारत संवाद

लखनऊ । स्वर्णिम भारत चैरिटेबल ट्रस्ट आगामी 28 सितंबर 2025 (रविवार) को भारत स्वर कोकिला लता मंगेशकर जी की 95वीं जयंती के अवसर पर एक भव्य समारोह का आयोजन करेगा। ट्रस्ट की अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश भाजपा कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती साधना चौधरी ने जानकारी दी कि इस अवसर पर देशभर से आए दिव्यांग प्रतिभाशाली युवाओं और युवतियों को मुख्य अतिथि के कर कमलों से वाद्य यंत्र वितरित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट के माध्यम से दिव्यांग एवं आर्थिक रूप से कमजोर युवाओं को उनकी गायन एवं वादन प्रतिभा को निखारने के लिए आर्थिक सहयोग और प्रोत्साहन भी प्रदान किया जाएगा। यह आयोजन लता मंगेशकर जी की संगीतिक विरासत को सम्मान देने और समाज के विशेष प्रतिभाशाली व्यक्तियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

सरकारी विद्यालयों में गिरती शिक्षा की गुणवत्ता: जवाबदेही किसकी ?

भारत संवाद

श्री श्याम सिंह पंवार
वरिष्ठ पत्रकार कानपुर , यूपी

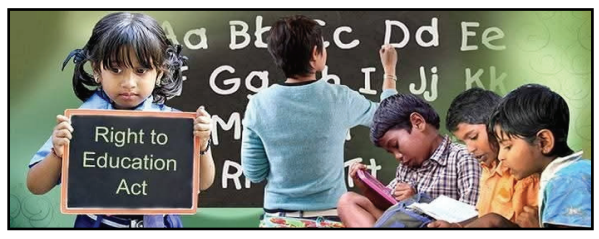

शिक्षा का महत्व निर्विवाद है, फिर भी अधिकतर सरकारी विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता, दिन-प्रतिदिन चिन्ताजनक होती जा रही है। यह एक कटु सत्य है कि, हमारे देश के अनेक नेता, उच्चाधिकारी और प्रभावशाली लोग अपनी सन्तानों को विदेशों में अच्छी शिक्षा के लिए भेजते हैं या निजी स्तर के महंगे विद्यालयों में दाखिला दिलाते हैं। वहीं दूसरी ओर, सरकारी विद्यालय, जो देश की अधिकांश जनता के लिए शिक्षा प्राप्त करने का प्रमुख साधन हैं, उपेक्षित हैं और संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं। क्या यह संयोग मात्र है या इसके पीछे हमारी प्रणाली की प्राथमिकताओं और जवाबदेही की कमी का गहरा सम्बन्ध है ? सवाल यह उठता है कि सरकारी विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता दिन-प्रतिदिन गिरती जा रही है, इसकी जवाबदेही किसकी है ? प्रथम दृष्टया, सरकारी विद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता में कमी के कई कारण हैं। जैसे-बुनियादी ढांचे की कमी, शिक्षकों की अपर्याप्त संख्या, किसी विद्यालय में अगर पर्याप्त संख्या में शिक्षक हैं भी तो वो अपनी जिम्मेदारी निष्ठा से नहीं निभाते, प्रशिक्षण का अभाव, आधुनिक शिक्षण विधियों का उपयोग न होना आदि प्रमुख समस्याएं हैं। इसके अलावा, सरकारी विद्यालयों को नीतिगत उपेक्षा का सामना करना पड़ता है। इसी दरम्यान यह सवाल पनपना जायज है कि, जब देश के नीति-निमार्ता और प्रभावशाली वर्ग के लोग अपनी सन्तानों को सरकारी विद्यालयों से दूर रखते हैं, तो स्वाभाविक रूप से इन संस्थानों के प्रति उनकी जवाबदेही कम हो जाती है। यदि उनके अपने बच्चे भी सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे होते, तो शायद इनकी स्थिति सुधारने के लिए अधिक गम्भीर प्रयास किए जाते। यह स्थिति न केवल सामाजिक असमानता को बढ़ावा देती है, बल्कि शिक्षा के अधिकार जैसे संवैधानिक वादे को भी कमजोर करती है। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले अधिकांश बच्चे, समाज के आर्थिक स्तर से कमजोर वर्गों से आते हैं, जिनके लिए निजी स्कूलों में पढ़ना आर्थिक रूप से सम्भव नहीं है। यदि इन विद्यालयों की गुणवत्ता में सुधार नहीं होगा, तो हम एक ऐसी पीढ़ी तैयार करेंगे, जो अवसरों की कमी के कारण पिछड़ जाएगी। यह न केवल व्यक्तिगत स्तर पर अन्याय है, बल्कि देश के समग्र विकास के लिए भी हानिकारक है। इस समस्या का समाधान तभी सम्भव है, जब नीति-निमार्ता और समाज का प्रभावशाली वर्ग सरकारी शिक्षा प्रणाली को अपनी प्राथमिकता बनाए। एक सुझाव यह हो सकता है कि सरकारी अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के बच्चों के लिए सरकारी विद्यालयों में पढ़ाई को अनिवार्य किया जाए। इससे न केवल जवाबदेही बढ़ेगी, बल्कि नीतियों में सुधार के लिए ठोस कदम भी उठाए जाएंगे। इसके साथ ही, शिक्षकों के प्रशिक्षण, स्कूलों में संसाधनों की उपलब्धता और नियमित निगरानी जैसे कदमों को प्राथमिकता देनी होगी। शिक्षा किसी भी राष्ट्र की रीढ़ होती है। यदि हम चाहते हैं कि हमारा देश प्रगति के पथ पर अग्रसर हो, तो सरकारी विद्यालयों को मजबूत करना होगा। यह तभी सम्भव है, जब हमारी प्रणाली में जवाबदेही और समानता का भाव जागे। नेताओं और उच्चाधिकारियों को यह समझना होगा कि उनकी सन्तानों का भविष्य देश के हर बच्चे के भविष्य से जुड़ा है। सरकारी विद्यालयों को नजरअन्दाज करना, न केवल शिक्षा के क्षेत्र में असमानता को बढ़ावा देता है, बल्कि सामाजिक और आर्थिक प्रगति को भी बाधित करता है। ऐसी परिस्थितियों में जरूरी यह है कि हम इस दिशा में ठोस और त्वरित कदम उठाएं, ताकि हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अधिकार मिले।

कैबिनेट ने कर्नाटक, तेलंगाना, बिहार और असम को लाभान्वित करने वाली तीन परियोजनाओं के मल्टी-ट्रैकिंग और गुजरात के कच्छ के दूर-दराज इलाकों को जोड़ने के लिए एक नई रेल लाइन को मंजूरी दी।

भारत संवाद

यात्री और माल ढुलाई दोनों के लिए लाभकारी निर्णय; कच्छ में नई रेल लाइन, सीमावर्ती कच्छ के रण, हड़प्पा स्थल धोलावीरा, कोटेश्वर मंदिर, नारायण सरोवर और लखपत किले को जोड़कर पर्यटन को बढ़ावा देगी।कोयला, सीमेंट, क्लिंकर, फ्लाई ऐश, स्टील, कंटेनर, उर्वरक, कृषि वस्तुओं और पेट्रोलियम उत्पादों आदि के परिवहन को बढ़ावा मिलेगा क्योंकि रेलवे अपने मौजूदा नेटवर्क में 565 किलोमीटर रूट जोड़ रहा है।प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने रेल मंत्रालय की चार परियोजनाओं को मंजूरी दी, जिनकी कुल लागत लगभग 12,328 करोड़ रुपये है। इन परियोजनाओं में शामिल हैं: -

(1) देशलपर - हाजीपीर - लूना और वयोर - लखपत नई लाइन

(2) सिकंदराबाद (सनथनगर) - वादी तीसरी और चौथी लाइन

(3) भागलपुर - जमालपुर तीसरी लाइन

(4) फुरकाटिंग - नई तिनसुकिया दोहरीकरण

उपरोक्त परियोजनाओं का उद्देश्य यात्रियों और माल दोनों का निर्बाध और तेज परिवहन सुनिश्चित करना है। ये पहल कनेक्टिविटी प्रदान करेंगी और यात्रा सुविधा में सुधार के साथ-साथ रसद लागत को कम करेंगी और तेल आयात पर निर्भरता कम करेंगी। इसके अतिरिक्त, ये परियोजनाएँ उड2 उत्सर्जन को कम करने में योगदान देंगी, जिससे टिकाऊ और कुशल रेल संचालन को बढ़ावा मिलेगा। इन परियोजनाओं के निर्माण के दौरान लगभग 251 (दो सौ इक्यावन) लाख मानव दिवसों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार भी सृजित होगा। प्रस्तावित नई लाइन कच्छ क्षेत्र के सुदूर इलाकों को कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। यह गुजरात के मौजूदा रेलवे नेटवर्क में 145 रूट किमी और 164 ट्रैक किमी जोड़ेगी, जिसकी अनुमानित लागत 2526 करोड़ रुपये है। परियोजना की पूर्ण होने की समय-सीमा 3 वर्ष है। गुजरात राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के अलावा, नई रेल लाइन नमक, सीमेंट, कोयला, क्लिंकर और बेंटोनाइट के परिवहन में मदद करेगी। इस परियोजना का रणनीतिक महत्व यह है कि यह कच्छ के रण को कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। हड़प्पा स्थल धोलावीरा, कोटेश्वर मंदिर, नारायण सरोवर और लखपत किला भी रेल नेटवर्क के अंतर्गत आएंगे क्योंकि 13 नए रेलवे स्टेशन जोड़े जाएँगे जिससे 866 गाँवों और लगभग 16 लाख आबादी को लाभ होगा। कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए, स्वीकृत मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाएँ लगभग 3,108 गाँवों और लगभग 47.34 लाख आबादी और एक आकांक्षी जिले (कलबुर्गी) तक कनेक्टिविटी बढ़ाएँगी जिससे कर्नाटक, तेलंगाना, बिहार और असम राज्यों को लाभ होगा। कर्नाटक और तेलंगाना में फैली 173 किलोमीटर लंबी सिकंदराबाद (सनथनगर)-वाडी तीसरी और चौथी लाइन के निर्माण कार्य की समय-सीमा पाँच वर्ष है, जिसकी लागत 5012 करोड़ रुपये है। बिहार में 53 किलोमीटर लंबी भागलपुर-जमालपुर तीसरी लाइन के निर्माण कार्य की समय-सीमा तीन वर्ष है, जिसकी लागत 1156 करोड़ रुपये है। 194 किलोमीटर लंबी फुरकेटिंग-न्यू तिनसुकिया दोहरीकरण परियोजना का कार्य, जिसकी लागत 3634 करोड़ रुपये है, चार वर्षों में पूरा होगा। बढ़ी हुई लाइन क्षमता से गतिशीलता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, जिसके परिणामस्वरूप भारतीय रेलवे की परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता में सुधार होगा। ये मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव परिचालन को सुव्यवस्थित करने और भीड़भाड़ को कम करने के लिए तैयार हैं। ये परियोजनाएँ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी के नए भारत के विजन के अनुरूप हैं, जो क्षेत्र में व्यापक विकास के माध्यम से क्षेत्र के लोगों को ₹आत्मनिर्भर₹ बनाएगा जिससे उनके रोजगार/ स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे। ये परियोजनाएँ पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत बनाई गई हैं, जिनका ध्यान एकीकृत योजना और हितधारक परामर्श के माध्यम से मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक दक्षता बढ़ाने पर केंद्रित है। गुजरात, कर्नाटक, तेलंगाना, बिहार और असम राज्यों के 13 जिलों को कवर करने वाली ये चार परियोजनाएँ भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क को लगभग 565 किलोमीटर बढ़ा देंगी। ये कोयला, सीमेंट, क्लिंकर, फ्लाईऐश, स्टील, कंटेनर, उर्वरक, कृषि उत्पाद और पेट्रोलियम उत्पाद आदि जैसी वस्तुओं के परिवहन के लिए आवश्यक मार्ग हैं।

मण्डलायुक्त ने एक करोड़ से अधिक लागत की निमार्णधीन परियोजनाओं व सड़क कटिंग/रेस्टोरेशन की समीक्षा कर प्रगति के बारे में ली जानकारी

निमार्णाधीन कार्यो की गुणवत्ता का रखा जाए विशेष ध्यान, खराब पाए जाने पर की जाएगी कड़ी कार्यवाही -मण्डलायुक्त

भारत संवाद

मीरजापुर,2025- मण्डलायुक्त विन्ध्याचल मण्डल बालकृष्ण त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयुक्त कार्यालय सभागार में एक करोड़ से अधिक लागत की निमार्णधीन परियोजनाओं व सड़क कटिंग/रेस्टोरेशन सम्बंधी समन्वय समीक्षा बैठक कर प्रगति के बारे में जानकारी ली गई। बैठक में क करोड़ से अधिक लागत की निमार्णधीन परियोजनाओं की समीक्षा बैठक में जनपद मीरजापुर में कार्यदायी संस्था अधिशासी अभियंता, निर्माण खण्ड उ0प्र0 जल निगम नगरीय के द्वारा मीरजापुर वाटर सप्लाई हाउस कनेक्शन में मण्डलायुक्त ने निर्देशित करते हुए कहा कि जिन घरो में अभी तक योजनान्तर्गत कनेक्शन नहीं हुआ है उन घरो कनेक्शन कराते हुए पानी की आपूर्ति को प्रारम्भ किया जाए। नगर पालिका परिषद मीरजापुर में वाटर सप्लाई प्रोजेक्ट पक्का पोखरा में बताया गया कि फांउडेशन का कार्य करा लिया गया हैं। वर्षा होने के कारण कार्य रूका हुआ था कार्य को पुनः प्रारम्भ करा दिया गया हैं, मण्डलायुक्त ने कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। कार्यदायी संस्था राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड ईकाई सोनभद्र के द्वारा मेडिकल कालेज में मल्टीपर्पज हाल प्रगति धीमी होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए सितम्बर माह के अन्त तक कार्य पूर्ण कराने का निर्देश दिया। 300 सैय्या मण्डलीय चिकित्सालय मीरजापुर की प्रगति के बारे में बताया गया कि कार्य पूर्ण करा लिया गया है, मण्डलायुक्त ने निर्देशित करते हुए कहा कि तकनीकी समिति से जांच कराते हुए हैण्डओवर की कार्यवाही कराना सुनिश्चित करें। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चील्ह की प्रगति संतोषजनक नही होने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देशित किया कि सितम्बर माह के अन्त तक कार्य पूर्ण कराए एवं परियोजना निदेशक डी0आर0डी0ए0 को निर्देशित किया निरीक्षण कर आख्या उपलब्ध कराएं। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पड़री की प्रगति के बारे में बताया गया कि अभी तक कनेक्शन नहीं हुआ है शेष कार्य पूर्ण करा लिया गया हैं, मण्डलायुक्त ने निर्देशित करते हुए कहा कि कनेक्शन कराते हुए कमेटी गठित कर जांच कराकर हैण्डओवर कराना सुनिश्चित करें। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र हलिया में अपेक्षित प्रगति न होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देशित किया दिसम्बर 2025 कार्य पूर्ण कराएं। जनपद मीरजापुर में फूड हाउसिंग योजना के अन्तर्गत श्रेणी-3 के 12 नग एवं श्रेणी-4 के 06 नग आवास निर्माण कार्य के बारे में बताया गया कि श्रेणी-3 के आवासों को छोड़कर शेष पूर्ण करा लिया गया है, मण्डलायुक्त ने कहा कि पूर्ण कराए गए आवासो की तकनीकी टीम से जांच कराते हुए

मा. राज्यपाल ने अलीगढ़ की बेटी डॉ. हेमलता सिंह को पीएचडी उपाधि से किया सम्मानित

आगरा में आयोजित 91वें दीक्षांत समारोह में वनस्पति विज्ञान में पीएचडी के लिए मिला सम्मान

प्रवीन कुमार शर्मा संवादाता/भारत संवाद

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल मा.आनंदीबेन पटेल द्वारा डॉक्टर भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय आगरा के 91 दीक्षांत समारोह में गभाना के ग्राम कुलवा (किशोर नगर आईटीआई रोड) निवासी डॉ हेमलता सिंह पुत्री श्री रामेश्वर सिंह को वनस्पति विज्ञान में पीएचडी डॉक्टर ऑफ फिलॉस्पीकी उपाधि से सम्मानित किया गया।डॉ. हेमलता सिंह ने अपना शोध कार्य ट्रूस्टडी द रिस्पॉन्स ऑफ साईंसर एरियेटिनम अंडर डिफरेंट कंसट्रेशन ऑफ सल्फर डाइऑक्साइड शीर्षक में धर्म समाज महाविद्यालय के प्रोफेसर मुकेश भारद्वाज के निर्देशन में पूर्ण किया है। प्रो. भारद्वाज ने डॉ. हेमलता सिंह को आगामी भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके शोध कार्य आने वाले छात्र-छात्राओं के लिए प्रेरणादायी होंगे।

डीएम संजीव रंजन का बैंकर्स को अल्टीमेटमः सीएम युवा योजना में लापरवाही पर होगी एफआईआर

अब हर पात्र आवेदक को मिलेगा ऋण

डोली शर्मा संवादाता/ भारत संवाद

अलीगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना अंतर्गत बैंकर्स की बैठक आहूत की गई।बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने बैंकर्स को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं के संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि बैंकर्स सहयोग नहीं करते हैं तो उनके विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में संयुक्त आयुक्त उद्योग बीरेंद्र कुमार ने अवगत कराया कि योजना में अलीगढ़ जिले का प्रदर्शन निराशाजनक है। विभाग द्वारा विभिन्न बैंकों को 3297 आवेदन पत्र भेजे गए थे, जिनमें से 1510 को निरस्त, 938 स्वीकृत एवं केवल 830 पर ऋण वितरण किया गया। ऑडिट में पाया गया कि 70 प्रतिशत आवेदन पत्र गलत तरीके से रिजेक्ट किए गए हैं। कई मामलों में आवेदकों को 5 लाख की जगह केवल 40-50 हजार का ऋण लेने के लिए बाध्य किया गया। डीएम ने कहा कि सीएम युवा उद्यमी विकास योजना का उद्देश्य युवाओं को स्वरोजगार स्थापित कर आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाना है। इस योजना की मॉनिटरिंग मा0 मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव स्तर से की जाती है। इसलिए बैंकर्स की जिम्मेदारी है कि वे संवेदनशीलता के साथ प्रत्येक पात्र आवेदक को ऋण उपलब्ध कराएं। बैठक में जिलाधिकारी ने बैंकवार समीक्षा करते हुए प्रत्येक माह के लक्ष्य तय कर उनकी पूर्ति अनिवार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने लक्ष्य पूरा न करने वाले बैंकर्स के विरुद्ध उनके सीएमडी को पत्र लिखने के साथ ही मुकदमा दर्ज करने की कार्रवाई करने को भी कहा। साथ ही निरस्त किए गए आवेदन पत्रों को दोबारा संबंधित बैंक में भेजने के निर्देश भी दिए गए। बैठक के दौरान केनरा बैंक के जिला समन्वयक को लगातार बिना तैयारी बैठक में उपस्थित होने पर बाहर का रास्ता दिखाया गया। जिलाधिकारी के सख्त रुख को देखते हुए सभी बैंकर्स ने आश्वस्त किया कि बिना उचित कारण के रिजेक्शन नहीं किया जाएगा, शाखा प्रबंधक एवं फील्ड ऑफिसर क्षेत्र में जाकर जांच करेंगे और अधिकाधिक युवाओं को ऋण स्वीकृत कराया जाएगा।जिलाधिकारी ने एसबीआई को अगस्त मासांत तक 250, सितम्बर मासांत तक 450 एवं अक्टूबर मासांत तक 650 पात्र आवेदकों को ऋण वितरित करने के निर्देश दिए।इसी प्रकार पीएनबी को क्रमशः 250, 450 एवं 520, ग्रामीण बैंक ऑफ आर्यावर्त को 150, 300 एवं 540, केनरा बैंक को 150, 250 एवं 480, एचडीएफसी को 50, 100 एवं 180 के साथ ही अन्य बैंकर्स के लिए भी अक्टूबर माह तक के लक्ष्य निर्धारित कर ऋण वितरण की कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

युवाओं को स्वरोजगार दिलाने में बाधा बने बैंक, डीएम ने दिखाई सख्ती

फास्ट ट्रैक

क्षेत्र पंचायत इगलास की बैठक 29 अगस्त को आयोजित की जारही है

भारत संवाद

अलीगढ़। क्षेत्र पंचायत इगलास की बैठक 29 अगस्त को प्रातः 11 बजे से प्रमुख क्षेत्र पंचायत इगलास की अध्यक्षता में विकास खण्ड इगलास परिसर में आहुत की जाएगी। खण्ड विकास अधिकारी इगलास चैतन्य कुमार पाठक ने यह जानकारी देते हुये बताया कि बैठक में गत बैठक की कार्यवाही की पुष्टि, ग्रामीण पेयजल, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण, पंचायत घर निर्माण, कृषि, लघु सिंचाई, नहर विभाग, राजकीय नलकूप, बाल विकास, एनआरएलएम, समाज कल्याण, खाद्य एवं रसद, शिक्षा, सहकारिता, पशुधन, युवा कल्याण, भूमि संरक्षण पेयजल, मत्स्य, दुग्ध समेत अन्य विभागों की योजनाओं पर विचार विमर्श किया जायेगा। उन्होंने समस्त क्षेत्र पंचायत सदस्य इगलास एवं ग्राम प्रधानों को सूचित करते हुये अनुरोध किया है कि वह नियत समय व स्थान पर बैठक में प्रतिभाग करें।

श्रद्धा व उल्लास के साथ मनाया गणेश चतुदर्शी पर्व

सहारनपुर।कृष्णा कुज कॉलोनी, गली नम्बर-एक तोता चैक भूतेश्वर मंदिर मार्ग स्थित विशाल कश्यप के आवास पर गणेश चतुर्थी का पावन पर्व कश्यप परिवार द्वारा बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ भव्य रूप से मनाया गया। सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ कार्यक्रम स्थल पर उमड़ी। भक्तों ने भगवान गणेश के चरणों में माथा टेककर आशीर्वाद प्राप्त किया। पूरा वातावरण भक्तिमय जयकारों और भजन-कीर्तन से गूंज उठा।गणेश उत्सव के इस शुभ अवसर पर श्रद्धालुओं में गजब का उत्साह और आस्था देखने को मिली। परंपरागत रीति-रिवाजों के साथ पूजा-अर्चना संपन्न हुई और पूरे दिन का माहौल भक्ति एवं आनंद से परिपूर्ण रहा।कार्यक्रम के अंत में प्रसाद वितरण किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर पुण्य लाभ अर्जित किया। यह आयोजन धार्मिक आस्था का प्रतीक होने के साथ-साथ समाज में एकता और भाईचारे का संदेश भी देता रहा।

रक्तदान शिविर लगाकर किया रक्तदान

सहारनपुर।युथ फाउंडेशन वेलफेयर सोसाइटी ,पश्चिमी उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल व खानआलमपुरा व्यापारी इएसोसिएशन द्वारा एक रक्तदान शिविर लगाया जिसमे आज 52 व्यापारियों ने रक्तदान किया और लोगो को जागरूक करने का सन्देश दिया यह रक्तदान थालेसिमिया बच्चों को कैंसर पेशेंट को रक्त की जरूरत पड़ने पर संस्था द्वारा प्रोवाइड करवाया जाता है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए व्यापार मंडल के मंडल अध्यक्ष सरदार सुरेंद्र सिंह ,जिलाध्यक्ष रोहित घई, यूथ फाउंडेशन वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष सरदार कंवलजीत लूथरा ने संयुक्त रूप से कहा कि रक्तदान महादान होता है।रक्तदान करने वाले जो पुण्य अर्जित होता है और रक्त प्राप्त करने वाले को नया जीवन मिलता है।सहारनपुर बॉडी बिल्डिंग के सचिव सुहैल राणा ने युवाओं को इसमे बढ़कर हिस्सा लेने का आह्वान किया , संस्था सह सचिव एडवोकेट अजीम रजा, सुशील पंवार के साथ शाहजेब राणा , शाकिर मलिक एवम जिले के बॉडीबिल्डर्स ने भी भाग लिया। सुरेंद्र सिंह ने लोगों से इस अभियान में बढ़ चढ़ कर हिस्सेदारी करने का आह्वान किया। इस शिविर व्यापारियों को रक्तदान करने के फायदों से अवगत करवाया गया।

किसानों ने पांच सूत्रीय ज्ञापन डीएम को सौंपा

सहारनपुर। भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति के कार्यकर्ताओ ने पांच सूत्रीय मांगो को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को सम्बोधित एक ज्ञापन जिला प्रशासन को सौपा। ज्ञापन में मांग की गई कि उनकी मांगो पर ध्यान देकर उनको पूरा कराया जाये। भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति के युवा प्रदेश अध्यक्ष उत्तर प्रदेश राहुल खारी ने बताया कि पांच सूत्रीय मांगो को लेकर भारतीय किसान यूनियन लोकशक्ति के कार्यकर्ताओ के द्वारा एक ज्ञापन प्रदेश के मुख्यमंत्री को सम्बोधित जिला प्रशासन को सौपा। ज्ञापन मे मांग की गई गन्ने का न्यूनतम मूल्य 500 रुपए कुंतल हो

स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को मंडलायुक्त ने किया सम्मानित

राष्ट्रीय आजीविका मिशन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं बन रही हैं आत्मनिर्भर

डोली शर्मा संवादाता/ भारत संवाद

अलीगढ़। राष्ट्रीय आजीविका मिशन के अंतर्गत एटा एवं अलीगढ़ की स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं ने अपने-अपने क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य कर समाज में अलग पहचान बनाई है।इन्हीं उपलब्धियों को देखते हुए मंडलायुक्त संगीता सिंह ने प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया। कार्यक्रम में अलीगढ़ की ड्रोन दीदी सीमा सिंह, नीरज कुमारी, लखपति दीदी ललिता शर्मा, विद्युत सखी लता सिंह और डीएमएम समीर कुमार को सम्मानित किया गया। वहीं एटा जिले की बैंक सखी अंबिका, समूह सखी आशा, विद्युत सखी पूनम और डीएमएम हर प्रसाद को मंडलायुक्त द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया।इस अवसर पर मंडलायुक्त ने कहा कि स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाएं आज न सिर्फ अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बना रही हैं, बल्कि समाज और प्रदेश के विकास में भी सक्रिय योगदान दे रही हैं।उन्होंने कहा कि ड्रोन दीदी, बैंक सखी, विद्युत सखी जैसी योजनाओं ने महिलाओं की भागीदारी को नई दिशा दी है। इनके कार्य अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणादायी हैं।ड्ड मंडलायुक्त ने सभी प्रतिभागियों को और अधिक मेहनत व लगन के साथ कार्य करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय आजीविका मिशन के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं और उनके प्रयास आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को पूरा करने में सहायक सिद्ध होंगे।

जनप्रतिनिधियों द्वारा बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग में मुख्य सेविका के पद पर चयनित 50 मुख्य सेविकाओं को नियुक्ति पत्र किया गया वितरित

भारत संवाद

सुलतानपुर , मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश महोदय द्वारा लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य सेविकाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किया गया। इन सभी मुख्य सेविकाओं का चयन उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के द्वारा किया गया है।लखनऊ के लोकभवन सभागार में नव चयनित 2,425 मुख्य सेविकाओं के नियुक्ति पत्र वितरण समारोह में मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि पूरी शुचिता के साथ नियुक्ति की जा रही है।मुख्यमंत्री जी ने चयनित अभ्यर्थियों से कहा कि जब आप ईमानदारी से काम करेंगे और कठिन परिश्रम करेंगे, तो सफलता जरूर मिलती है।ऐसे में अभ्यर्थियों की जिम्मेदारी है कि वो भी बिना किसी भेदभाव के काम करें और अपने कर्तव्य को पूरी प्रतिबद्धता के साथ निभाएं। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आंगनबाड़ी में मुख्य सेविकाओं की जिम्मेदारी मां यशोदा की तरह है, जिस तरह मां यशोदा ने बच्चों का पालन पोषण किया, वैसे ही आपकी भी जिम्मेदारी है कि आंगनबाड़ी केंद्रों की देखरेख करें। याद रखें कि जब भी भगवान श्री कृष्ण का नाम आता है, तो मां यशोदा का भी नाम आता है।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार के वित्त मंत्री सुरेश खन्ना जी ने कहा कि कन्याओं के पोषण के साथ ही मार्गदर्शन की जिम्मेदारी भी मुख्य सेविकाओं की है।हमारे समाज में कन्याओं का पोषण ये कहकर किया जाता है कि उन्हें पराये घर जाना है पर मैं कहूंगा कि वो पराये घर जाएं तो स्वावलंबी बनकर जाएं। आत्मनिर्भर बनकर जाएं। वित्त मंत्री के संबोधन के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने मुख्य सेविकाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किया।इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी का आभार जताते हुए प्रदेश सरकार की महिला कल्याण, बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार मंत्री बेबी रानी मौर्य ने कहा कि ये दिन प्रदेश की प्रगति का दिन है। महिला आत्मशक्ति का दिन है। इस मौके पर राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतिभा शुक्ला जी ने कहा कि 20 साल बाद ये ऐतिहासिक पल आया है। जब 2425 मुख्य सेविकाओं के नियुक्ति पत्र वितरण में आप साझीदार बने हैं। ये बाल शक्ति और मातृशक्ति का पत्र है। सरकारी कर्मचारी के साथ-साथ आप मां के रूप में सेविका भी हैं। अपने दायित्व को सरकारी सेवा तक ही सीमित न समझे। इसी क्रम में जनपद स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन मुख्य विकास अधिकारी महोदय के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में किया गया, जिसमें लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम का सजीव प्रसारण भी किया गया। कार्यक्रम में श्रीमती ऊषा सिंह, मा0 अध्यक्ष जिला पंचायत, श्री शैलेन्द्र प्रताप सिंह, मा0 सदस्य विधान परिषद, श्री सुशील पाण्डेय, मा0 जिला अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी, श्री राजेश गौतम, मा0 विधायक, कादीपुर सुलतानपुर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

नगरायुक्त ने पैदल घूमकर किया खाताखेड़ी का निरीक्षण

पार्षदों व क्षेत्रवासियों ने मुख्यमार्ग सहित विभिन्न समस्याओं से कराया अवगत

भारत संवाद

सहारनपुर। नगरायुक्त शिपू गिरि ने आज दोपहर में निगम अधिकारियों के साथ खात्ताखेड़ी क्षेत्र में दो किलोमीटर तक पैदल गली-गली घूमकर निरीक्षण किया। उन्होंने मुख्यमार्ग के निर्माण, गली नंबर 11 की स्थिति , निगम की खाली पड़ी भूमि तथा नवनिर्मित शौचालय आदि के संबंध में अधिकारियों से मौके पर ही जानकारी ली।

नगरायुक्त शिपू गिरी निगम के अधिशासी अभियंता जल व पथ प्रकाश प्रभारी वी बी सिंह व सम्पत्ति प्रभारी सुधीर शर्मा के साथ आज दोपहर खत्ताखेड़ी पहुंचे। उन्होंने वार्ड 56 खत्ताखेड़ी के पार्षद प्रतिनिधि भूरा मलिक, वार्ड 36 के पार्षद प्रतिनिधि डॉ.एहतेशाम व वार्ड 60 के पार्षद प्रवेज मलिक तथा क्षेत्र के लोगों के साथ मुख्यमार्ग का पैदल घूमकर निरीक्षण किया। पार्षद प्रतिनिधि भूरा मलिक ने मुख्य मार्ग के अलावा काफी समय से निर्मित सार्वजनिक शौचालय को चालू न किये जाने तथा गली नंबर 11 की कच्ची अवस्था से नगरायुक्त को अवगत कराते हुए बताया कि स्कूल की छात्राओं को बारिश की अवस्था में कीचड़ भरी गली से गुजरना पड़ता है। उन्होंने निगम की खाली पड़ी पार्क की जमीन की चारदीवारी कराने की भी मांग की। नगरायुक्त ने सड़क निर्माण के संबंध में अधिकारियों को आकलन कर आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

नगरायुक्त ने पूर्व में निगम के स्वामित्व में रही (अब दूरसंचार के पास) भूमि के संबंध में भी जानकारी मांगी जिस पर सम्पत्ति प्रभारी सुधीर शर्मा व लेखपाल ने मौके पर ही जानकारी दी।जिस पर नगरायुक्त ने पत्रावली ई-ऑफिस पर भेजने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी महोदय द्वारा अंकारीपुर, दूबेपुर स्थित ई0वी0एम0/वी0वी0 पैट वेयर हाउस (स्ट्रांग रूम) का किया गया मासिक निरीक्षण

भारत संवाद

सुलतानपुर ,जिलाधिकारी कुमार हर्ष द्वारा रायबरेली रोड स्थित अंकारीपुर, दूबेपुर में ई0वी0एम0 एवं वी0वी0 पैट वेयर हाउस के माह अगस्त 2025 का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान बैलेट यूनिट, कंट्रोल रूम, स्ट्रांग रूम, रिजेक्टेड यूनिट कक्ष, वीवी पैट कक्ष, सी.सी.टी.वी. कैमरा, सुरक्षा व्यवस्था का अवलोकन किया गया।उक्त वेयर हाउस में विधानसभा क्षेत्र-सुलतानपुर, सदर, लम्भुआ, कादीपुर निर्वाचन क्षेत्र की ई0वी0एम0/वी0वी0 पैट मशीने लाक के अन्दर संरक्षित हैं। जिलाधिकारी महोदय द्वारा ई0वी0एम0 व वी0वी0 पैट वेयर हाउस/स्ट्रांग रूम निरीक्षण के दौरान निर्देशित किया गया कि सुरक्षा के दृष्टिगत स्ट्रांग रूम की सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाय। इस अवसर पर मान्यता प्राप्त समस्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि व जिला निर्वाचन कार्यालय के स्टाफ गण उपस्थित रहे।

हीमोफीलिया से जुड़ी दुर्लभ जटिलताओं के बारे में डा. धर्मा चैधरी ने जानकारी दी

भारत संवाद

सहारनपुर। हीमोफीलिया को आमतौर पर एक रक्तस्राव संबंधी समस्या के रूप में जाना जाता है, जिसमें मामूली चोट भी लंबे समय तक खून बहने और आसानी से चोट या नीले निशान पड़ने का कारण बन सकती है। लेकिन बहुत कम लोग यह जानते हैं कि इसके कुछऐसे छिपे हुए और खतरनाक प्रभाव भी हैं, जो समय रहते पहचाने न जाएं तो जानलेवा साबित हो सकते हैं।हीमोफीलिया एक दुर्लभ अनुवांशिक विकार है, जिसमें रक्त सही ढंग से जम नहीं पाता।इसकी गंभीरता अलग-अलग हो सकती है, लेकिन हल्के रूप में भी यह रोग मरीज के लिए गंभीर स्वास्थ्य जटिलताएं पैदा कर सकता है।

मण्डलायुक्त की अध्यक्षता में हुई काउन्सिल की आब्रीटेज्शन बैठक

भारत संवाद

सहारनपुर।सूक्ष्म, एवं लघु उद्यमों के भुगतान सम्बन्धी व्यवसायिक विवादों के निस्तारण हेतु राज्य सरकार द्वारा गठित मण्डलीय सूक्ष्म एवं लघु उद्यम फैसिलीटेशन काउन्सिल सहारनपुर की 26 अगस्त को सम्पन्न सुलह बैठक में 47 सन्दर्भों में सुलह के प्रयास किये गये, जिसमें मै. अमर ज्योति इण्डट्रीज इण्ड0, सहारनपुर का काउन्सिल द्वारा पक्षकारों के मध्य सुलह से रू0 14.47 लाख का भुगतान कराया गया। मण्डलायुक्त अटल कुमार राय की अध्यक्षता में 27 अगस्त को सम्पन्न काउन्सिल की आब्रीटेज्शन बैठक में कुल 25 सन्दर्भों में सुनवाई की गयी, जिसमें सूक्ष्म एवं लघु उद्यमकताओं के कुल 18 सन्दर्भों में बकाया मूलधन रूपया 56.11 लाख पर चक्रवृद्धि ब्याज सहित भुगतान के एवार्ड/आदेश निर्गत किये जाने का निर्णय लिया गया।

विशेष रेलगाड़ियों के आवृत्ति में वृद्धि

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियों के संचालन अवधि में विस्तार का निर्णय लिया गया है, निम्नलिखित रेलगाड़ियाँ अपने पूर्व निर्धारित समय, मार्ग एवं संरचना के अनुसार चलेंगी, जिसका विवरण निम्नवत है:–

गाड़ी सं.	स्टेशन से	स्टेशन तक	पूर्व अधिसूचित तिथि	विस्तार की तिथि
09025	वलसाड	दानापुर	29.09.2025	29.12.2025
09026	दानापुर	वलसाड	30.09.2025	30.12.2025
09117	उधना जं.	सूबेदारगंज	26.09.2025	26.12.2025
09118	सूबेदारगंज	उधना जं.	27.09.2025	27.12.2025
09075	मुम्बई सेन्ट्रल	काठगोदाम	24.09.2025	31.12.2025
09076	काठगोदाम	मुम्बई सेन्ट्रल	25.09.2025	01.01.2026
09185	मुम्बई सेन्ट्रल	कानपुर अनवरगंज	28.09.2025	28.12.2025
09186	कानपुर अनवरगंज	मुम्बई सेन्ट्रल	29.09.2025	29.12.2025
09031	उधना जं.	जयनगर	28.09.2025	28.12.2025
09032	जयनगर	उधना जं.	29.09.2025	29.12.2025
09343	डॉ. अम्बेडकर नगर	पटना जं.	25.09.2025	25.12.2025
09344	पटना जं.	डॉ. अम्बेडकर नगर	26.09.2025	26.12.2025
09043	बान्द्रा टर्मिनस	बढ़नी	28.09.2025	28.12.2025
09044	बढ़नी	बान्द्रा टर्मिनस	29.09.2025	29.12.2025
09039	उधना जं.	धनबाद जंक्शन	26.09.2025	26.12.2025
09040	धनबाद जंक्शन	उधना जं.	28.09.2025	28.12.2025

नोट : ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन न0 139 या Railmadad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1530/25 (C)

सख्ती युवाओं को स्वरोजगार दिलाने में बाधा बने बैंक, डीएम ने दिखाई सख्ती

डीएम संजीव रंजन का बैंकर्स को अल्टीमेटमः सीएम युवा योजना में लापरवाही पर होगी एफआईआर

गलत रिजेक्शन पर खफा डीएम, बैंकर्स को चेतावनी: अब हर पात्र आवेदक को मिलेगा ऋण

भारत संवाद

अलीगढ़ (सू0वि0): जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना अंतर्गत बैंकर्स की बैठक आहूत की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने बैंकर्स को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं के संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि बैंकर्स सहयोग नहीं करते हैं तो उनके विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।बैठक में संयुक्त आयुक्त उद्योग बीरेंद्र कुमार ने अवगत कराया कि योजना में अलीगढ़ जिले का प्रदर्शन निराशाजनक है। विभाग द्वारा विभिन्न बैंकों को 3297 आवेदन पत्र भेजे गए थे, जिनमें से 1510 को निरस्त, 938 स्वीकृत एवं केवल 830 पर ऋण वितरण किया गया। ऑडिट में पाया गया कि 70 प्रतिशत आवेदन पत्र गलत तरीके से रिजेक्ट किए गए हैं। कई मामलों में आवेदकों को 5 लाख की जगह केवल 40-50 हजार का ऋण लेने के लिए बाध्य किया गया।डीएम ने कहा कि सीएम युवा उद्यमी विकास योजना का उद्देश्य युवाओं को स्वरोजगार स्थापित कर आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाना है। इस योजना की मॉनिटरिंग मा0 मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव स्तर से की जाती है।

भारत संवाद परिवार 1–संरक्षक–भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित, 2–संरक्षक–भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3–संरक्षक–भारत संवाद गजानन महतपुरकर, (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4–कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद), जगन्नाथ तिवारी, 5–उपसंपादक (भारत संवाद), माता प्रसाद शर्मा, 6–प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंर्टिंग प्रेस 53/25/1–ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक– अरविन्द कुमार शर्मा।फोन नं०.05324012522 मो०–9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

सूक्ष्म जीवों से फैलता है लाइम डिजीज

लाइम डिजीज रोग बोरेलिया बर्गडोरफेरी नामक जीवाणु के काटने के कारण होता है। जिसे हिरण किलनियां नाम से जानते हैं। हर किसी को किलनियों द्वारा काटा जाना याद नहीं रहता, क्योंकि हिरण किलनी बहुत छोटी होती है और उसके काटने का किसी को ध्यान नहीं रहता। अगर आप इसके शिकार हैं तो तुरंत डॉक्टर से परामर्श ले सकते हैं।

लाइम रोग पूर्वोत्तर और मध्योत्तर संयुक्त राज्य अमेरिका में बहुत आम है। लाइम रोग संक्रमण हाल ही में सार्वजनिक चिंता और भ्रम का एक बड़ा कारण बना है। लाइम रोग आमतौर पर थकावट के पुराने लक्षण या अन्य खराब परिभाषित समस्याओं के कारण के लिए जिम्मेदार नहीं होता है। लाइम रोग एक अलग बीमारी है, जो उसके अपने बहुत विशिष्ट संकेत और लक्षण उत्पन्न करती है जिसका तत्काल निदान किया जा सकता है। अस्पष्टीकृत चिकित्सा की स्थितियों को लाइम रोग की विशेषता सिर्फ इसलिए नहीं ठहरा देना चाहिए कि किसी अन्य निदान की संभावना नहीं लगती।

गठिया पीड़ित में बीमारी अधिक

लगभग 10 फीसदी लाइम गठिया पीड़ित लोगों को एंटीबायोटिक दवाएं लेने के बावजूद स्थाई जोड़ों की सूजन होने लगती है। हाल ही के प्रमाण सुझाते हैं कि यह स्वप्रतिरक्षित प्रभाव के कारण होता है, जिसमें लाइम संक्रमण प्रतिरक्षा प्रणाली शरीर के अपने कोशिकाओं पर हमला करने के लिए सक्रिय करते हैं। ये समस्या कुछ आनुवांशिक प्रकार के लोगों में पाई जाती है। ऐसे लोग जारी रखी गई एंटीबायोटिक दवाओं की बजाय ऐसी दवाओं को प्रतिक्रिया दे सकते हैं, जो प्रतिरक्षा प्रणाली को दबा देती हैं।

लाइम डिजीज का निदान

आपका चिकित्सक आपके लक्षणों के बारे में पूछेगा और एक संपूर्ण शारीरिक और तंत्रिका का परीक्षण करेगा। यदि आपको हाल ही में एक किलनी ने काटा है और आपने किलनी को संभाल कर रखा है तो आपका चिकित्सक कीट का निरीक्षण कर सकता है और उसे प्रयोगशाला में प्रजातियों की पहचान करने के लिए भेज सकता है। कुछ प्रयोगशालाएं ये देखने के लिए कि इसमें लाइम बैक्टीरिया है या नहीं किलनी का विश्लेषण कर सकती हैं। आपके लक्षणों और परीक्षण के आधार पर आपका चिकित्सक लाइम रोग का निदान करेगा। लाइम रोग के पहले चार से छह हफ्तों में रक्त परीक्षण अक्सर नकारात्मक होते हैं। लाइम परीक्षण के मूल परीक्षण को ईएलआईएसए (एंजाइम-लिंक्ड इम्यूनोसोर्बेंट ऐस्से) कहते हैं। लाइम डिजीज में ईएलआईएसए परिणाम की वेस्टर्न ब्लॉट नामक परीक्षण से पुष्टि करना पड़ती है। लाइम रोग के निदान में मदद और लक्षणों के अन्य कारणों की जांच के लिए प्रभावित जोड़ से तरल पदार्थ का एक नमूना लिया जा सकता है। लाइम रोग प्रतिरक्षी और सूजन के परीक्षण और अन्य रोगों की जांच के लिए, मस्तिष्कमेरु द्रव भी स्पाइनल टैप के माध्यम से रीढ़ की हड्डी के चारों ओर से लिया जाता है।

लाइम डिजीज से बचाव

यदि आप ऐसे क्षेत्र में है, जहां लाइम रोग अधिक आम है, तो आप निम्न सावधानी बरत सकते हैं :-

- जंगल, बड़े झाड़ीदार मैदान और घास से बचें, जहां किलनियां छुपती हैं।
- लंबी पतलून और लंबी आस्तीन पहनें ; सफेद कपड़े किलनियों को ढूंढ़ना आसान बनाते हैं। सफेद कपड़ों को कम यूज करें।
- जंगली क्षेत्रों या लंबी घास के क्षेत्रों या झाड़ीदार मैदानों से लौटने के शीघ्र बाद अपनी त्वचा को किलनियों के लिए जांचें।
- किलनी निरोधक त्वचा और कपड़ों पर लगाएं। एंटीबायोटिक दवाएं हर किलनी के काटने पर निर्धारित नहीं की जाती, क्योंकि लाइम रोग होने का खतरा काफी कम होता है, अधिकांश क्षेत्रों में 0.1 प्रतिशत से कम से लेकर पूर्वोत्तर और मिडवेस्ट के कुछ क्षेत्रों में 5 फीसदी तक होता है। न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित एक अध्ययन से पता चला कि जिन क्षेत्रों में लाइम रोग की दर अधिक है, उन लोगों के लिए डॉक्सीसायक्लिन (डॉक्सी कैप्स और अन्य ब्रांड के नाम) की एक खुराक रोग से बचाव कर सकती है। लाइम डिजीज की बीमारी होने पर शीघ्र परमार्श लें।

टीका उपलब्ध नहीं

लाइम रोग का टीका अब उपलब्ध नहीं है, क्योंकि 2002 में कम बिक्री के कारण इसे बाजार से वापस ले लिया गया था और दवा पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

लाइम डिजीज की चिकित्सा

आरंभिक लाइम ईएम ददोरे के लिए चिकित्सक आमतौर पर तीन हफ्तों की एंटीबायोटिक दवाएं निर्धारित करते हैं। इसमें टेट्रासायक्लिन पेनीसिलिन एमोक्सिसिलिन, सेफूरोक्सिन (सेफ्टिन) शामिल है। हृदय या तंत्रिका संबंधी समस्याओं से पीड़ित कुछ लोगों का एंटीबायोटिक दवाओं के साथ इलाज किया जाता है। जैसे सेफट्रियाक्सोन (रोसेफिन) दो से चार सप्ताह के लिए नसों में दिया जाएगा। अंत : शिरा उपचार की भी सलाह दी जा सकती है। डॉक्सीसायक्लीन को 8 साल से कम उम्र के बच्चों और जो महिलाएं गर्भवती हैं या परिचर्या कर रही हैं, को देने से बचना चाहिए। एरिथ्रोमायसिन, एजिथ्रोमायसिन या क्लैरिथ्रोमायसिन कम प्रभावी हो सकती हैं, लेकिन अक्सर उन लाइम रोग से पीड़ित लोगों के लिए निर्धारित की जाती हैं, जो ऊपर दिए अन्य विकल्प बर्दाश्त नहीं कर सकते।

व्यायाम से दूर करें मस्तिष्क कैंसर

मस्तिष्क कैंसर से ग्रसित रोगियों के लिए व्यायाम अति लाभदायक बताया गया है।

एक नए अध्ययन के मुताबिक मस्तिष्क कैंसर से पीड़ित लोगों की उम्र बढ़ाने में व्यायाम काफी मददगार साबित होता है। इस बीमारी से पीड़ित ऐसे व्यक्ति जो नियमित व्यायाम करते हैं, वह व्यायाम न करने वाले मरीजों से ज्यादा समय तक जीवित रह सकते हैं।

शोध में निकला निष्कर्ष

इस शोध के लिए 243 ऐसे मरीजों का चुनाव किया गया, जो गंभीर रूप ले चुके कैंसर से पीड़ित थे। आमतौर पर इस स्थिति में मरीज के छह माह से अधिक दिनों तक जीवित रहने की संभावना न के बराबर होती है। ऐसे मरीज जो सप्ताह में पांच दिन नियमित व्यायाम करते थे, उनका जीवनकाल महत्वपूर्ण रूप से बढ़ गया। वे औसत 21.84 माह तक जीवित रहे, जबकि व्यायाम नहीं करने वाले मरीज केवल 13.03 माह ही जीवित रह सके।

परखने की जरूरत

शोध से जो शुरुआती तथ्य सामने आए हैं, उसे और गहनता से परखने की जरूरत है। व्यायाम का लक्षणों पर असर जानने के अलावा बीमारी के विकास और अस्तित्व पर भी इसके प्रभाव को समझना होगा। यह शोध जर्नल ऑफ क्लीनिकल ऑकोलॉजी के ऑनलाइन संस्करण में प्रकाशित हुआ है।

बढ़ जाती है जिंदगी

नार्थ कैरोलिना के ड्यूक कैंसर इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए इस अध्ययन में कहा गया है कि व्यायाम कैंसर से पीड़ित मरीज पर इलाज और इलाज के बाद की स्थिति में सकारात्मक असर डालता है और इससे उनकी जिंदगी बढ़ सकती है।

शरमाना कहीं रोग न बन जाए

हर कोई शरमाता है। यहां तक कि बेशर्म कहे जाने वाले लोग भी शरमाते हैं। रोचक बात है कि शरमाना मानव का एक महत्वपूर्ण लक्षण है। शर्म या लज्जा को स्त्री का जेवर कहा गया है। शरमाते पुरुष भी हैं। निश्चित ही यह मानव भावनाओं में एक है, जो चेहरे पर प्रकट होती है सो हर कोई शरमाता है, मगर जरूरत से ज्यादा शरमाना भाव की अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि एक गंभीर रोग है।

एक लम्बे समय तक इसे सहज शारीरिक क्रिया माना गया तो कई महत्वपूर्ण और रोचक गुत्थियां खुलीं। शरम से जुड़े तथ्यों ने ही इसे रोग की श्रेणी में ला खड़ा किया और नाम दिया गया एरोथ्रोफोबिया। स्नायुतंत्र से संबंधित शरम मस्तिष्क के निचले भाग हाइपोथैलमस द्वारा प्रभावित होती है। जब कोई शरमाता है तो हाइपोथैलमस हरकत में आ जाता है। यही निर्देश रक्त वाहिकाओं तक जा पहुंचता है, परिणामस्वरूप रक्त वाहिकाएं फैलने या सिकुड़ने लगती हैं। यह स्थिति चेहरे पर भाव परिवर्तन लाती है। इससे आंखों की पलकें विशेष अंदाज में उठने-गिरने लगती हैं। इसके अलावा गालों के उभार पर एक थिरकन पैदा हो जाती है। इसी कारण चेहरे पर लालिमा आ जाती है। अंग्रेजी में इसे ब्लश करना कहा जाता है। सामान्य तौर पर यह सब क्षणिक होता है, मगर रोग की स्थिति में यह देर तक हर कोई शरमाता है। यहां तक कि बेशर्म कहे जाने वाले लोग भी शरमाते हैं। रोचक बात है कि शरमाना मानव जाति का एक महत्वपूर्ण लक्षण है। शर्म या लज्जा को स्त्री का जेवर कहा गया है। शरमाते पुरुष भी हैं। निश्चित ही यह मानव भावनाओं में एक है, जो चेहरे पर प्रकट होती है सो हर कोई शरमाता है, मगर जरूरत से ज्यादा शरमाना भाव की अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि एक गंभीर रोग है।

एरोथ्रोफोबिया कैसे होता है

एक लम्बे समय तक इसे सहज शारीरिक क्रिया माना गया तो कई महत्वपूर्ण और रोचक गुत्थियां खुलीं। शर्म से जुड़े तथ्यों ने ही इसे रोग की श्रेणी में ला खड़ा किया और नाम दिया गया एरोथ्रोफोबिया। स्नायुतंत्र से संबंधित शरम मस्तिष्क के निचले भाग हाइपोथैलमस द्वारा प्रभावित होती है। जब कोई शरमाता है तो हाइपोथैलमस हरकत में आ जाता है। यही निर्देश रक्त वाहिकाओं तक जा पहुंचता है, परिणामस्वरूप रक्त वाहिकाएं फैलने या सिकुड़ने लगती हैं। यह स्थिति चेहरे पर भाव परिवर्तन लाती है। इससे आंखों की पलकें विशेष अंदाज में उठने-गिरने लगती हैं। इसके अलावा गालों के उभार पर एक थिरकन पैदा हो जाती है। इसी कारण चेहरे पर लालिमा आ जाती है। अंग्रेजी में इसे ब्लश करना कहा जाता है। सामान्य तौर पर यह सब क्षणिक होता है, मगर रोग की स्थिति में यह देर तक रहता है और बार-बार होता है। रोगी इसमें आंतरिक आनंद की अनुभूति करता है सो बार-बार शरमाना चाहता है और रोग बढ़ता जाता है। शरम के लक्षण शरीर में चेहरे पर ही नहीं, कई अन्य रूपों में भी देखे जा सकते हैं।

बीमारी के लक्षण

मसलन, शरम की स्थिति में लड़कियां आंखें झुकाए पैर के अंगूठे से धरती या फिर फर्श को कुरेदने लगती हैं, बेवजह आंचल संवारने लगती हैं, उंगली पर दुपट्टा लपेटने लगती हैं। होठों पर अंगुली रखना या फिर मुंह से अंगुली दबा लेना भी शरम के लक्षण हैं। यही नहीं, शर्मसार होती लड़कियां अपना चेहरा भी छिपा लेती हैं। इस कृत्य से वह अपनी शरम छुपाती नजर आती हैं, मगर हकीकत में यह शरम को और उभारना है। चेहरे पर आई शरम छिपाने से नहीं छिपती है, बल्कि इस बात का स्पष्ट करती है कि शरम का अतिरेक है, लाख छिपाने पर भी नहीं छिपेगा।

एनीमिया के लिए रामबाण चुकंदर

खून की कमी यानी एनीमिया की शिकार महिलाओं के लिए चुकंदर रामबाण के समान है। चुकंदर के कन्द के अलावा चुकंदर की हरी पत्तियों का सेवन भी बेहद लाभदायी है। इन पत्तियों में कन्द की तुलना में तीन गुना लौह तत्व अधिक होता है।

चुकंदर की पत्तियों में विटामिन ए भी भरपूर मात्रा में पाया जाता है। कन्द व इसकी पत्तियां रक्त निर्माण के अलावा हानिकारक तत्वों को शरीर से बाहर निकालने का काम करती हैं। चुकंदर में पोटेशियम, सोडियम, कैल्शियम, मैग्नीज व रेशे की पर्याप्त मात्रा होती है। पाचन योग्य शर्करा की उपस्थिति के कारण चुकंदर का सेवन ऊर्जा भी प्रदान करता है।

निरोग रखता है

ऐसा समझा जाता है कि चुकंदर का गहरा लाल रंग इसमें लौह तत्व की प्रचुरता के कारण है, लेकिन सच यह है कि चुकंदर का गहरा लाल रंग इसमें पाए जाने वाले एक रंगकण (बीटा सायनिन) के कारण होता है। एण्टी ऑक्सीडेण्ट गुणों के कारण ये रंगकण स्वास्थ्य के लिए अच्छे माने जाते हैं। चुकंदर में पाए जाने वाले फोलिक एसिड, पोटेशियम व मुलायम रेशा भी इसके पोषणिक गुणों को बढ़ाते हैं। चुकंदर का नियमित सेवन सम्पूर्ण शरीर को निरोग रखने में सहायक है। नियमित खाने से अन्य रोगों में लाभ होता है।

एसीडोसिस

चुकंदर की क्षारीयता शरीर में एसीडोसिस को रोकने में सहायक है।

रक्त-अल्पता

चुकंदर से प्राप्त उच्च गुणवत्ता का लोह तत्व रक्त में हीमोग्लोबीन का निर्माण व लाल रक्तकणों की सक्रियता के लिए बेहद प्रभावशाली है।

रक्तचाप

विशेषज्ञों का मानना है कि चुकंदर के रस का नियमित सेवन रक्तचाप को नियंत्रित रखता है। उच्च रक्तचाप में कमी लाने में भी चुकंदर गुणकारी है।

कब्ज

चुकंदर का मुलायम रेशा आंतों की गति बनाए रखता है। इसको नियमित रूप से खाने से लम्बे समय से चली आ रही कब्ज से भी मुक्ति मिल जाती है।

रक्त संचार ठीक

चुकंदर के रस का नियमित सेवन रक्त नलिकाओं में कैल्शियम के जमाव को हटाकर उनका लचीलापन बनाए रखता है, जिससे रक्त संचरण सुगमता से होता है।

कैंसर से बचाव

चुकंदर में पाए जाने वाले अमीनो एसिड में कैंसररोधी तत्व पाए जाते हैं। शोध अध्ययनों से पता चला है कि चुकंदर के रस के नियमित सेवन से कैंसरकारक तत्वों का निर्माण बाधित होकर पाचन तंत्र की कार्यक्षमता को बढ़ावा मिलता है।

विषैले तत्व नष्ट

चुकंदर के रस का नियमित सेवन न केवल यकृत,बल्कि सम्पूर्ण पाचन तंत्र के हानिकारक तत्वों को शरीर से बाहर निकालकर आरोग्य प्रदान करता है। चुकंदर के साथ यदि गाजर मिलाकर इसके रस का सेवन किया जाए तो यह पित्ताशय व वृक्क से हानिकारक तत्वों को हटाकर इन अंगों की कार्यक्षमता बढ़ाता है।

चुकंदर की पहचान

खाने के लिए पत्तीदार चुकंदर का चयन करें। पत्ती सहित चुकंदर को 3-4 दिन रेफ्रीजरेटर में संग्रह करने पर इनकी पत्तियों की नमी बनी रहती है, जबकि पत्तियों के बिना चुकंदर को लगभग दो सप्ताह तक संग्रह किया जा सकता है। जिन चुकंदर का तल गोलाई लिए होता है, वे अपेक्षाकृत अधिक स्वादिष्ट होता है। ताजे व कच्चे चुकंदर में एक विशेष खुशबू होती है, जो इसके स्वाद को बढ़ाती है।

सलाद के साथ चुकंदर

भारतीय भोजन थाली में सलाद के रूप में चुकंदर का उपयोग काफी प्रचलित है। गहरे लाल बैंगनी रंग का यह कन्द प्राय: शरीर में खून बढ़ाने के गुण के कारण खाया जाता है। लौह तत्व के अलावा चुकंदर में विटामिंस भी भरपूर पाए जाते हैं। इसके नियमित सेवन से विटामिन ए, बी, बी 1, बी 2, बी 6 व विटामिन सी की पूर्ति सहज ही हो जाती है। शायद कम लोग ही जानते हैं कि चुकंदर में लौह तत्व की मात्रा अधिक नहीं होती है, किन्तु इससे प्राप्त होने वाला लौह तत्व उच्च गुणवत्ता का होता है, जो रक्त निर्माण के लिए विशेष महत्वपूर्ण है। यही कारण है कि चुकंदर का सेवन शरीर से अनेक हानिकारक पदार्थों को बाहर निकालने में बेहद लाभदायी है।

सावधानियां

चुकंदर का सेवन उन व्यक्तियों को न्यूनतम ही करना चाहिए, जिन्हें गुर्दे में पथरी की समस्या है। चुकंदर का सेवन शक्तिवर्धक होने के साथ-साथ शरीर से दूषित पदार्थों को बाहर निकालता है, अत: इसके सेवन की शुरुआत थोड़ी मात्रा से करें। पौष्टिक एवं स्वास्थ्यवर्धक इस प्राकृतिक क्लिंजर को अपने आहार में रस, सलाद व अन्य व्यंजनों के रूप में शामिल कर स्वस्थ व निरोग रहें।

ट्रम्प का दावा-मोदी को जंग रोकने के लिए धमकी दी

कहा था- इतने हाई टैरिफ लगाऊंगा कि आपका सिर चकरा जाएगा

एजेंसी

वॉशिंगटन डी सी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर भारत-पाकिस्तान के बीच मई में तनाव कम करके न्यूक्लियर वॉर को रोकने का दावा किया है। व्हाइट हाउस में बुधवार को कैबिनेट बैठक के दौरान ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने भारत को भारी टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। साथ ही उन्होंने व्यापार समझौते को रोकने की बात कही, जब तक कि दोनों देशों के बीच विवाद सुलझ नहीं जाता। ट्रम्प ने दावा किया कि उनकी बातचीत के पांच घंटे बाद ही दोनों देश पीछे हट गए। हालांकि, भारत हमेशा से ट्रम्प के बातचीत और मध्यस्थता के दावों को खारिज करता आया है। इसके बाद अमेरिका ने भारत पर 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगा दिया था। जो आज से लागू हो गया है। इससे पहले ट्रम्प जुलाई में भारत पर 25% टैरिफ लगा चुके हैं, अब भारत पर कुल टैरिफ 50% हो गया है। ट्रम्प ने कहा, 'मैंने मोदी से बात की, जो बहुत शानदार इंसान हैं। मैंने पूछा कि भारत और पाकिस्तान के बीच

क्या हो रहा है। दोनों के बीच बहुत नफरत थी। यह विवाद लंबे समय से, चल रहा है।' उन्होंने कहा, 'यह मामला सुलझ गया। अब शायद यह फिर शुरू हो, मुझे नहीं पता। लेकिन अगर ऐसा हुआ, तो मैं इसे फिर रोकूंगा। हम ऐसी चीजें नहीं होने दे सकते।' ट्रम्प ने यह भी दावा किया कि इस तनाव में कई जेट गिराए गए। उन्होंने कहा, 'यह अच्छा नहीं है। 15 करोड़ डॉलर के विमान गिराए गए, शायद सात या इससे भी ज्यादा, असली संख्या कभी बताई नहीं गई।' हालांकि, उन्होंने इसके लिए कोई सबूत या आधिकारिक स्रोत नहीं दिया। ट्रम्प ने रूस-यूक्रेन युद्ध से तुलना करते हुए कहा कि भारत-पाकिस्तान का विवाद भी वैश्विक संकट में बदल सकता था। उन्होंने कहा, 'जैसे रूस और यूक्रेन का युद्ध दुनिया को विश्व युद्ध में खींच सकता था, वैसे ही भारत और पाकिस्तान का विवाद परमाणु युद्ध में बदल सकता था।' ट्रम्प पहले भी ऐसे दावे कर चुके हैं कि उनकी मध्यस्थता ने भारत-पाकिस्तान के बीच बड़े युद्ध को रोका।

हालांकि, भारत ने बार-बार किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता से इनकार किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा था कि युद्धविराम भारत के अपने रणनीतिक फैसलों का नतीजा था और इसमें कोई बाहरी दबाव नहीं था। पीएम मोदी ने भी पिछले महीने संसद में साफ कहा था कि किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता नहीं हुई। विदेश मंत्री एस जयशंकर और गृह मंत्री अमित शाह ने भी यही बात दोहराई है। वहीं, ट्रम्प ने भारत पर 25% अतिरिक्त टैरिफ लगाया है, जो 27 अगस्त यानी आज से लागू हो गया है। अमेरिका ने इस टैरिफ के पीछे की वजह रूसी तेल खरीदने को बताया था। इससे पहले ट्रम्प जुलाई में भारत पर 25% टैरिफ लगा चुके हैं, अब से भारतीय सामान के आयात पर अमेरिका में 50% टैरिफ देना होगा। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका ने ट्रिलियन डॉलर की कमाई टैरिफ से की और इसी रणनीति से जंग भी रोके। ट्रम्प से पहले अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा था कि भारत पर लगाए सेकेंडरी टैरिफ भी वॉशिंगटन की उसी रणनीति का हिस्सा हैं।

एनबीसी न्यूज के कार्यक्रम 'मीट द प्रेस' से बात करते हुए वेंस ने कहा था कि ट्रम्प प्रशासन भारत पर टैरिफ लगाने सहित दूसरे उपायों के जरिए रूस के लिए अपनी तेल अर्थव्यवस्था से लाभ कमाना कठिन बना रहा है। अमेरिका के भारतीय सामानों पर 50% टैरिफ लगाने के फैसले के बाद, फिजी के प्रधानमंत्री सितिवेनी लिगामामदा राबुका ने मंगलवार को कहा कि पीएम मोदी में ऐसी चुनौतियों का सामना करने की ताकत है।

फ्रांस ने मेडागास्कर राजा की खोपड़ी लौटाई

128 साल पहले सिर काटकर ले गए फ्रांसीसी सैनिक, ट्रॉफी की तरह म्यूजियम में सजाया था

एजेंसी

पेरिस, फ्रांस ने मेडागास्कर को तीन औपनिवेशिक काल की खोपड़ियां वापस की हैं। इनमें से एक खोपड़ी के बारे में माना जाता है कि यह मालागासी राजा टोएरा की है। साल 1897 में फ्रांसीसी सैनिकों ने राजा टोएरा का सिर काट दिया था। उस समय फ्रांस ने इसे ट्रॉफी की तरह पेरिस ले जाकर नेशनल हिस्ट्री म्यूजियम में रख दिया था। बाकी दो खोपडियां साकालावा जातीय के लोगों की हैं। यह वापसी फ्रांस में 2023 में पारित एक नए कानून के बाद संभव हुई है। इस कानून में मानव अवशेषों को उनके मूल देशों को लौटाने की

अनुमति है। इसी कानून के तहत पहली बार मेडागास्कर को यह खोपड़ियां सौंपी गईं। इसके बाद फ्रांस ने पहली बार किसी देशों को उसे पूर्वजों के अवषेशों को लौटाए। इसके बाद ऑस्ट्रेलिया और अर्जेंटीना सहित कई देश भी फ्रांस से अपने पूर्वजों के अवशेषों की मांग कर रहें है। अब ये खोपड़ियां रविवार को मेडागास्कर वापस ले जाई जाएंगी और वहां दफनाई जाएंगी। फ्रांस की संस्कृति मंत्री रचिदा दाती ने कहा कि खोपड़ियां लाना औपनिवेशिक हिंसा से जुड़ा मामला था और इंसानी इज्जत के खिलाफ था। मेडागास्कर की संस्कृति मंत्री वोलामिरांती डोना मारा ने इसे दोनों देशों के रिश्तों में एक नए युग की शुरूआत बताया। उन्होंने कहा कि पिछले 128 सालों से राजा टोएरा और साकालावा लोगों की खोपड़ियां वहां न होने की वजह से उनके देश के दिल में जैसे एक खुला घाव बना हुआ था। फिलहाल वैज्ञानिकों ने जांच करके ये तो पक्का कर दिया है कि खोपड़ियां साकालावा समुदाय की हैं, लेकिन यह पूरी तरह से नहीं कहा जा सकता कि इनमें से कोई खोपड़ी सच में राजा टोएरा की है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने 2017 में सत्ता में आने के बाद अफ्रीका में किए गए फ्रांसीसी अत्याचारों को स्वीकारना शुरू किया। इसी साल अप्रैल में जब वे मेडागास्कर की राजधानी एंटानानारिवो गए थे, तो उन्होंने फ्रांस के अत्याचारों लिए क्षमा मांगने की बात कही थी। मेडागास्कर 1960 में फ्रांसीसी उपनिवेश से आजाद हुआ था। दरअसल, हाल के वर्षों में फ्रांस अपने औपनिवेशिक अतीत को स्वीकार करने की कोशिश कर रहा है। वह अपने साम्राज्यवादी दौर में लूटी गई वस्तुएं और मानव अवशेष वापस कर रहा है।

रूस से ट्रेड करना चाहता है अमेरिका

प्रतिबंध हटाने पर विचार कर रहा; रूसी न्यूक्लियर एनर्जी शिप्स खरीदने की भी तैयारी

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, भारत पर रूसी तेल खरीदने की वजह से 25% एक्स्ट्रा टैरिफ लगाने वाला अमेरिका खुद रूस से एनर्जी डील करने की कोशिश कर रहा है। रॉयटर्स न्यूज एजेंसी के मुताबिक, ट्रम्प और पुतिन के बीच 15 अगस्त को अलास्का में हुई मुलाकात के दौरान इस डील पर बातचीत हुई थी। अमेरिकी कंपनी एक्सॉन मोबिल ने रूस के सखालिन-1 ऑयल और गैस प्रोजेक्ट में फिर से शामिल होने और रूस को अमेरिकी इक्विपमेंट बेचने की बात की थी। यूक्रेन पर 2022 में रूसी हमले के बाद अमेरिका ने रूस के एनर्जी सेक्टर पर कई प्रतिबंध लगाए थे, जिससे रूस को विदेशी निवेश मिलना बंद हो गया। अब अमेरिकी अधिकारी रूस को शांति के लिए राजी करने के लिए कुछ प्रतिबंध हटाने पर विचार कर रहे हैं। इसके अलावा अमेरिका रूस से एटमी एनर्जी से चलने वाले आइस ब्रेकर शिप्स खरीदने का भी सोच रहा है। रॉयटर्स ने सूत्र के हवाले से बताया कि व्हाइट हाउस 15 अगस्त को ट्रम्प-पुतिन की अलास्का बैठक के बाद एक बड़े निवेश सौदे का ऐलान करना चाहता था। ट्रम्प को लग रहा था कि यह उनकी जीत होगी, लेकिन 3 घंटे की बैठक के बाद भी कोई बड़ा समझौता नहीं हो पाया। इससे पहले 6 अगस्त को अमेरिका के विशेष प्रतिनिधि स्टीव विटकॉफ ने मॉस्को दौरे के दौरान राष्ट्रपति पुतिन और रूसी इन्वेस्टमेंट प्रतिनिधि किरिल दिमित्रिएव के साथ इस मुद्दे पर बात की थी।

राष्ट्रपति ट्रम्प को इस बातचीत की जानकारी थी। अमेरिका के आरोप है कि रूसी तेल खरीदने की वजह से पुतिन को यूक्रेन जंग जारी रखने में मदद मिल रही है। ट्रम्प ने इस महीने की शुरूआत में कहा था कि भारत रूस से सस्ता तेल खरीदकर उसे खुले बाजार में मुनाफे के साथ बेच रहा है। भारत को इस बात की कोई परवाह नहीं है कि रूस के हमले से यूक्रेन में कितने लोग मारे जा रहे हैं। इसके जवाब में भारत ने अमेरिका को याद दिलाया था कि यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद भारत को रूस से तेल खरीदना पड़ा, क्योंकि उसका पुराने ऑयल सप्लायर यूरोप को सप्लाई करने लगे थे। उस वक्त अमेरिका ने भारत को रूसी खरीदने के लिए बढ़ावा दिया था। भारत ने बताया कि 2024 में यूरोपीय यूनियन ने रूस के साथ करीब 85 बिलियन यूरो (?7.65 लाख करोड़) का व्यापार किया। इसी तरह, अमेरिका खुद अपनी न्यूक्लियर इंडस्ट्री के लिए रूस से यूरेनियम हेक्साफ्लोराइड, इलेक्ट्रिक व्हीकल, इंडस्ट्री के लिए पैलेडियम, उर्वरक और केमिकल इंपोर्ट कर रहा है। 2024 में अमेरिका और रूस के बीच कुल व्यापार करीब 43 हजार करोड़ रुपए, जो 2023 की तुलना में 25.8% (1.8 अरब डॉलर या 151 अरब रुपए) कम था। अमेरिका ने रूस को 52.83 करोड़ डॉलर (लगभग 44 अरब रुपए) का माल निर्यात किया। वहीं, अमेरिका ने रूस से 3 अरब डॉलर (लगभग 252 अरब रुपए) का माल आयात किया। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा कि, अगर रूस के साथ प्रगति होती है तो कुछ देशों पर टैरिफ घटाए जा सकते हैं। जरूरत पड़ी तो और बढ़ाए जाएंगे। अमेरिका यूक्रेन को ऐसी सुरक्षा गारंटी दे रहा है, जिससे दोबारा रूस हमला न कर सके। अमेरिका रूस और यूक्रेन दोनों से बातचीत की कोशिश कर रहा है, ताकि बीच का रास्ता निकले और युद्ध रुक सके। वहीं, ट्रम्प ने रूसी तेल खरीदने की वजह से भारत पर 25% अतिरिक्त टैरिफ लगाया है, जो 27 अगस्त यानी आज से लागू हो गया है। इससे पहले ट्रम्प जुलाई में भारत पर 25% टैरिफ लगा चुके हैं,

फ्लोरिडा जेल में हरजिंदर सिंह से मिला आतंकी पन्नू

हादसे को बताया दुर्भाग्यपूर्ण, 1 लाख डॉलर मदद का ऐलान, ट्रक एक्सीडेंट में गई थी 3 की जान

एजेंसी

जालंधर, अमेरिका के फ्लोरिडा में सेंट लूसी काउंटी जेल के बाहर मंगलवार को खालिस्तानी आतंकी और प्रतिबंधित संगठन सिख फॉर जस्टिस का मुखिया गुरपतवंत सिंह पन्नू, हरजिंदर सिंह से मिला। हाल ही में अमेरिका में हुए ट्रक हादसे में तीन अमेरिकी नागरिकों की मौत हुई थी। उसी मामले को लेकर यह मुलाकात हुई। पन्नू ने मीडिया को बताया कि हरजिंदर सिंह इस घटना के बाद से बेहद दुखी हैं और मानसिक रूप से आहत

हैं। पन्नू ने कहा- हरजिंदर सिंह ने उन्हें कहा कि जैसे ही हादसा हुआ, वह तुरंत ट्रक से बाहर निकले और वैन के पास गए। उन्होंने खिड़की तोड़ी, अंदर मौजूद लोगों की मदद करनी शुरू कर दी थी। घटना एक दुर्भाग्यपूर्ण गलती थी, न कि किसी प्रकार की जानबूझकर की गई घटना। पन्नू ने कहा- हरजिंदर को कातिल बताना अनुचित होगा। आतंकी पन्नू ने सहायता के लिए 1 लाख डॉलर (करीब 83 लाख रुपए) की राशि देने का भी ऐलान किया है। यह फंड फ्लोरिडा के गवर्नर रॉन डीसैंटिस के कार्यालय के माध्यम से पहुंचाया जाएगा। पन्नू ने कहा- अमेरिकी सिख समुदाय पीड़ित परिवारों के लिए संवेदना और न्याय की मांग करता है। हम निष्पक्षता चाहते हैं, न कि भय या नफरत से प्रेरित फैसले। 12 अगस्त 2025 को फ्लोरिडा के टर्न पाइक हाईवे पर हरजिंदर सिंह द्वारा चलाए जा रहे ट्रैक्टर-ट्रेलर ने कथित तौर पर अवैध यू-टर्न लिया। इसी दौरान एक वाहन ट्रेलर से टकरा गया। इस भीषण टक्कर में 3 लोगों की मौत हो गई। हादसे के बाद हरजिंदर को 45 साल कैद की सजा की अफवाह उड़ी तो परिवार बेहद डर गया था। हालांकि अभी इसका ट्रायल शुरू हुआ है।

आपके मित्र ट्रंप के टैरिफ से 2.17 लाख करोड़ का नुकसान

खतरे में लाखों नौकरियाँ, खरगे का मोदी पर निशाना

एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय आयात पर दोगुना टैरिफ लगाने के बाद, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि उनके प्रिय मित्र के इस कदम से भारत को अकेले 10 क्षेत्रों में पहला झटका के रूप में अनुमानित 2.17 लाख करोड़ रुपये का नुकसान होगा। पर एक पोस्ट में, खड़गे ने कहा कि मोदी सरकार ने इस प्रभाव को कम करने और किसानों की आजीविका की रक्षा के लिए बिल्कुल कुछ नहीं किया है।खड़गे ने आगे कहा कि आपके प्रिय मित्र अबकी बार, ट्रंप सरकार ने आज से भारत पर 50% टैरिफ लगा दिया है।इस टैरिफ के पहले झटके के रूप में, अकेले 10 क्षेत्रों में, हमें अनुमानित ?2.17 लाख करोड़ का नुकसान होगा। हमारे किसान, खासकर कपास उत्पादक किसान, बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। आपने कहा था कि आप उनकी रक्षा के लिए कोई भी व्यक्तिगत कीमत चुकाने को तैयार हैं, लेकिन आपने इस झटके को कम करने और उनकी आजीविका की रक्षा के लिए बिल्कुल कुछ नहीं किया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव

खड़गे ने आगे कहा कि आपके प्रिय मित्र अबकी बार, ट्रंप सरकार ने आज से भारत पर 50% टैरिफ लगा दिया है। इस टैरिफ के पहले झटके के रूप में, अकेले 10 क्षेत्रों में, हमें अनुमानित ?2.17 लाख करोड़ का नुकसान होगा। हमारे किसान, खासकर कपास उत्पादक किसान, बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।

(जीटीआरआई) की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि टैरिफ के कारण भारत को अपने सकल घरेलू उत्पाद का एक प्रतिशत नुकसान होगा और इसका लाभ चीन को मिलेगा। उन्होंने प्रमुख क्षेत्रों में नौकरियों के नुकसान की ओर भी ध्यान आकर्षित किया और कहा कि अमेरिकी टैरिफ से एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम) प्रभावित हो रहे हैं। खड़गे ने कहा कि ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव का सुझाव है कि हमारे सकल घरेलू उत्पाद का लगभग 1% प्रभावित हो सकता है, और इससे चीन को लाभ होगा। एमएसएमई सहित कई निर्यात-उन्मुख महत्वपूर्ण क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर नौकरियों का नुकसान होगा।केंद्र पर अपने हमले जारी रखते हुए, कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि भारतीय कपड़ा क्षेत्र में 5,00,000 नौकरियों का संभावित नुकसान हो सकता है, जबकि रत्न और आभूषण क्षेत्र में 1,50,000 से 2,00,000 नौकरियां जा सकती हैं।

संघ जितना विरोध किसी संगठन का नहीं हुआ

मोहन भागवत बोले- फिर भी स्वयंसेवकों के मन में समाज के लिए प्रेम

भागवत ने जोर देकर कहा कि संगठन का उद्देश्य अपने योगदान के माध्यम से राष्ट्र को विश्वगुरु बनाना है और इसका उद्देश्य प्रत्येक हिंदू में जिम्मेदारी की भावना पैदा करना है।

एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने अपनी स्थापना के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय व्याख्यान श्रृंखला की शुरूआत की। व्याख्यानमाला 26 अगस्त को शुरू हुई, जहाँ आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने एक सभा को संबोधित किया और संगठन की

उपलब्धियों और उसके भविष्य के मिशन पर प्रकाश डाला। भागवत ने जोर देकर कहा कि संगठन का उद्देश्य अपने योगदान के माध्यम से राष्ट्र को ह्यविश्वगुरुह्ण बनाना है और इसका उद्देश्य प्रत्येक हिंदू में जिम्मेदारी की भावना पैदा करना है। मोहन भागवत ने बुधवार को कहा कि जितना विरोध राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का हुआ है, उतना किसी भी संगठन का नहीं हुआ। इसके बावजूद स्वयंसेवकों के मन में समाज के प्रति शुद्ध सात्विक प्रेम ही है। इसी प्रेम के कारण अब हमारे विरोध की धार कम हो गई है। नेक लोगों से दोस्ती करें, उन लोगों को नजरअंदाज करें जो नेक काम नहीं करते। अच्छे कामों की सराहना करें, भले ही वे विरोधियों द्वारा किए गए हों। गलत काम करने वालों के प्रति क्रूरता नहीं, बल्कि करुणा दिखाएं। संघ में कोई प्रोत्साहन नहीं, बल्कि कई हतोत्साहन हैं। स्वयंसेवकों के लिए कोई इंसेंटिव नहीं मिलता। उन्होंने कहा कि क्रांतिकारियों की एक और लहर थी। उस लहर से कई ऐसे उदाहरण निकले जो आज भी हमें प्रेरणा देते हैं... उस क्रांति का उद्देश्य आजादी के बाद समाप्त हो गया। सावरकर जी उस लहर के एक दैदीप्यमान रत्न थे... वह लहर अब मौजूद नहीं है और उसकी जरूरत भी नहीं है, लेकिन वह लहर देश के लिए जीने और मरने की प्रेरणा थी। 15 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि आज, मैं गर्व के साथ कहना चाहता हूँ कि 100 वर्ष पूर्व, एक संगठन का जन्म हुआ - राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस)। राष्ट्र सेवा के 100 वर्ष एक गौरवपूर्ण, स्वर्णिम अध्याय हैं। 'व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण' के संकल्प के साथ, माँ भारती के कल्याण के उद्देश्य से, स्वयंसेवकों ने मातृभूमि के कल्याण हेतु अपना जीवन समर्पित कर दिया... एक प्रकार से, आरएसएस दुनिया का सबसे बड़ा गैर सरकारी संगठन है। इसका 100 वर्षों का समर्पण का इतिहास है।

मोदी का 'मेगा फॉर्मूला' भारत के लिए बना 'सिरदर्द'

50% अमेरिकी टैरिफ से बौखलाई कांग्रेस का केंद्र सरकार पर सीधा हमला

अमेरिका द्वारा भारतीय उत्पादों पर 50% टैरिफ लागू होने से निर्यातकों को बड़ा झटका लगा है; कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी के 'मेगा' फॉर्मूले को देश के लिए 'सिरदर्द' बताते हुए कहा कि यह शुल्क कपड़ा और रत्न जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों को प्रभावित करेगा।

एजेंसी

भारत को अमेरिका को निर्यात किए जाने वाले अपने उत्पादों पर 50% टैरिफ लागू हो गया है। डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन और भारत के बीच व्यापार वार्ता में गतिरोध जारी रहने के कारण, सरकार दंडात्मक टैरिफ के प्रभाव को कम करने के लिए कई उपायों पर विचार कर रही है। 50% टैरिफ का असर अमेरिका को निर्यात किए जाने वाले 48.2 अरब डॉलर मूल्य के माल पर पड़ेगा। नए टैरिफ बुधवार सुबह 9.30 बजे से लागू हुए है। पीएम मोदी में कहा है कि किसी भी दबाव से समझौता नहीं करेंगे। लेकिन कांग्रेस पार्टी लगातार मोदी सरकार पर हमलावर रही है। कांग्रेस ने अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ (शुल्क) के प्रभावी होने के बाद बुधवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधा और कहा कि अमेरिका के साथ उनका मेगा साझेदारी वाला फार्मूला देश के लिए बड़ा सिरदर्द बन गया है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि अमेरिकी शुल्क का सबसे ज्यादा असर कपड़ा, रत्न और आभूषण, चमड़ा, समुद्री उत्पाद और इंजीनियरिंग क्षेत्र पर होगा।

वैष्णो देवी में लैंडस्लाइड से मरने वालों का आंकड़ा 32 के पार

वैष्णो देवी भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर 32 हो गई है, अधिकारियों ने बुधवार को बताया। यह घटना जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में पहाड़ी पर स्थित वैष्णो देवी मंदिर के मार्ग पर हुई थी। मंगलवार दोपहर लगातार बारिश के कारण हुए भूस्खलन में कई तीर्थयात्री फंस गए हैं।

जम्मू-कश्मीर में बारिश के कहर के बीच बचाव कार्य जारी

एजेंसी

वैष्णो देवी भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर 32 हो गई है, अधिकारियों ने बुधवार को बताया। यह घटना जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में पहाड़ी पर स्थित वैष्णो देवी मंदिर के मार्ग पर हुई थी। मंगलवार दोपहर लगातार बारिश के कारण हुए भूस्खलन में कई तीर्थयात्री फंस गए हैं। बचाव अभियान जारी है और अधिकारी मलबा हटाने और जीवित बचे लोगों को खोजने में लगे हैं। अधिकारियों ने बताया कि भारी और लगातार बारिश के कारण हुए भूस्खलन में कम से कम 20 लोग घायल हो गए। मंगलवार दोपहर करीब

3 बजे जब पहाड़ की ढलान ढह गई और पत्थर, शिलाखंड और चट्टानें नीचे गिरने लगीं, तो तीर्थयात्रा रोक दी गई, जिससे लोग अचानक गिर पड़े। लगातार भारी बारिश के कारण मंगलवार दोपहर त्रिकुटा पहाड़ी पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर जाने वाले मार्ग पर भूस्खलन हो गया। कटरा से पहाड़ी पर स्थित मंदिर तक 12 किलोमीटर के घुमावदार रास्ते के लगभग आधे रास्ते में एक जगह भूस्खलन हुआ। मंदिर तक जाने के दो रास्ते हैं - हिमकोटि ट्रेक मार्ग पर सुबह से ही यात्रा स्थगित थी, लेकिन दोपहर 1.30 बजे तक पुराने मार्ग पर यात्रा जारी थी, जब अधिकारियों ने मूसलाधार बारिश को देखते हुए इसे अगले आदेश तक स्थगित करने का फैसला किया।जम्मू क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से मानसून की तीव्र गतिविधि देखी जा रही है

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपना नाम शकील अहमद फारूकी पुत्र दीन मोहम्मद फारूकी से बदलकर शकील अहमद पुत्र दीन मोहम्मद रख लिया है। अब मुझे शकील अहमद पुत्र दीन मोहम्मद निवासी सुनियावा नेवादा, भदरी जनपद प्रतापगढ़ (उत्तर प्रदेश) पिनकोड-230201 के नाम से जाना व पहचाना जाए।
शकील अहमद पुत्र दीन मोहम्मद निवासी सुनियावा नेवादा, भदरी जनपद प्रतापगढ़ (उत्तर प्रदेश) पिनकोड-230201